भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो व्यक्ति अपनी राह खुद चुनता है, वही आलोचनाओं की भीड़ में भी आगे बढ़ पाता है, क्योंकि मंज़िलें शोर से नहीं, संकल्प से मिलती हैं।

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication

A/C No: 61347330768

IFSC Code- SBIN0031880

Phone pe , G-pay

9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-53 | झुंझुनू (राजस्थान) | सोमवार, 12 जनवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

सफलता की सीढ़ियां और पीछे खींचने वाले हाथ

जीवन वास्तव में एक निरंतर चलने वाली यात्रा है, जिसमें हर कदम हमें नए अनुभव, नई सीख और नई चुनौतियाँ देता है। इस यात्रा का सबसे बड़ा और कड़वा सत्य यह है कि जैसे-जैसे इंसान सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ता है, वैसे-वैसे उसे पीछे खींचने वालों की संख्या भी बढ़ती जाती है। यह कोई संयोग नहीं, बल्कि सामाजिक और मानवीय मनोविज्ञान का वह पहलू है, जिसे हर सफल व्यक्ति ने कभी न कभी महसूस किया है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

जब कोई व्यक्ति साधारण जीवन जी रहा होता है, तब तक उसे न तो कोई खास रोकता है और न ही उस पर विशेष नजर रखी जाती है। लेकिन जैसे ही वही व्यक्ति मेहनत, ईमानदारी और लगन के बल पर आगे बढ़ने लगता है, उसकी सफलता कुछ लोगों को असहज करने लगती है। यही असहजता धीरे-धीरे ईर्ष्या में बदल जाती है। ईर्ष्या वह आग है, जो पहले मन को जलाती है और फिर शब्दों, अफवाहों और षड्यंत्रों के रूप में बाहर आती है।

पीछे खींचने वाले लोग कई रूपों में सामने आते हैं। कुछ सीधे-सीधे आलोचना करते हैं, कुछ पीठ पीछे नकारात्मक बातें फैलाते हैं, तो कुछ सलाह के आवरण में भ्रम पैदा करते हैं। वे कहते हैं– 'इतना मत उड़ो', 'ज्यादा आगे गए तो गिर जाओगे', 'ये तुम्हारे बस की बात नहीं है।' इन शब्दों में छिपी चिंता कम और असुरक्षा अधिक होती है। दरअसल, आपकी उड़ान उन्हें अपनी जमीन छोटी लगने लगती है।

यह भी सत्य है कि हर आलोचक गलत नहीं होता, लेकिन हर आलोचना को दिल पर लेना भी समझदारी नहीं है। सफल व्यक्ति वही होता है जो उपयोगी आलोचना और निरर्थक नकारात्मकता के बीच अंतर करना जानता है। जो बात हमें सुधारने का अवसर दे, उसे स्वीकार करना चाहिए, लेकिन जो केवल हतोत्साहित करने के लिए कही जाए, उसे अनदेखा करना ही बेहतर है। इतिहास गवाह है कि दुनिया के हर महान व्यक्ति को अपने समय में विरोध, अपमान और अविश्वास का सामना करना पड़ा। चाहे वह वैज्ञानिक हों, समाज सुधारक हों, कलाकार हों या उद्यमी–सभी ने पीछे खींचने वाले हाथों को महसूस किया है। लेकिन उन्होंने उन हाथों को अपनी टांग बनने दिया, जंजीर नहीं। उन्होंने आलोचना को ईंधन बनाया और आगे बढ़ते गए।

सफलता की राह आसान नहीं होती। यह रास्ता कांटों से भरा होता है, जहाँ हर कदम पर परीक्षा होती है–धैर्य की, आत्मविश्वास की और संकल्प की। जो व्यक्ति इन परीक्षाओं में डगमगा जाता है, वह अक्सर भीड़ का हिस्सा बनकर रह जाता है। लेकिन जो इन चुनौतियों को स्वीकार कर आगे बढ़ता है, वही इतिहास रचता है। पीछे खींचने वाले लोग वास्तव में हमारे जीवन के आईने होते हैं। वे अनजाने में यह संकेत देते हैं कि हम सही दिशा में बढ़ रहे हैं। यदि आप किसी को असहज कर रहे हैं, तो इसका अर्थ है कि आपकी प्रगति दिख रही है। शांत पानी में लहरें नहीं उठतीं, लहरें वहीं उठती हैं जहाँ गहराई और गति होती है। आज के दौर में सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ा दिया है। यहां सफलता से ज्यादा चर्चा असफलता की होती है, और आगे बढ़ने वाले से ज्यादा पीछे खींचने वालों की भीड़ होती है। ट्रोलिंग, नकारात्मक टिप्पणियाँ और चरित्र हनन अब आम बात हो गई है। ऐसे समय में मानसिक मजबूती सबसे बड़ा हथियार है। खुद पर विश्वास और अपने लक्ष्य के प्रति निष्ठा ही हमें इस शोर से बचा सकती है।

यह जरूरी है कि हम अपने आसपास ऐसे लोगों को चुनें, जो हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा दें। सकारात्मक संगति सफलता की ऊर्जा को बढ़ाती है, जबकि नकारात्मक संगति उसे धीरे-धीरे खत्म कर देती है। इसलिए जीवन में कभी-कभी रिश्तों की छंटनी भी आवश्यक हो जाती है–उन लोगों से दूरी बनाना, जो हमारी प्रगति से खुश नहीं होते। अंततः, हमें यह समझना होगा कि सफलता व्यक्तिगत यात्रा है। इसमें तालियाँ भी मिलेंगी और ताने भी। फर्क सिर्फ इतना है कि हम किसे सुनते हैं और किसे अनसुना करते हैं। जैसा कि कहा गया है–

'तू अपनी खूबियाँ ढूंढ, कमियाँ निकालने के लिए लोग हैं, अगर रखना ही है कदम तो आगे रख, पीछे खींचने के लिए लोग हैं।'

सफलता का वास्तविक आनंद तभी है, जब हम तमाम विरोधों, ईर्ष्या और बाधाओं के बावजूद अपने रास्ते पर अडिग रहें। पीछे खींचने वाले हमेशा रहेंगे, लेकिन मंज़िल उन्हीं को मिलती है, जो रुकते नहीं, झुकते नहीं और हारते नहीं। यही जीवन का सार है और यही सफलता का सबसे बड़ा मंत्र।

पूर्व-मंत्री मालवीय ने BJP छोड़ी, बोले-यहां मेरा दम घुट रहा:

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा को लिखा पत्र, 23 महीने पहले भाजपा में शामिल हुए थे

भीम प्रज्ञा न्यूज

बांसवाड़ा । पूर्व मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय का दो साल में ही भाजपा से मोह भंग हो गया है। मालवीय ने बीजेपी छोड़ दी है। कांग्रेस में शामिल होने के लिए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष को पत्र लिखा है। मालवीय ने रविवार को जयपुर में कांग्रेस के महासचिव सुखजिंदर सिंह रंधावा, पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से मुलाकात की।

मालवीय ने कहा कि BJP की सत्ता होते हुए भी मैं जनता के काम नहीं करा पा रहा हूं। भाजपा सरकार में गरीबों की सुनने वाला कोई नहीं है। मनरेगा का भुगतान महीनों से अटका है, किसानों को खाद नहीं मिल रहा। मैंने कई बार मुख्यमंत्री और प्रदेशाध्यक्ष को चिट्ठी लिखी, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ।

मालवीय बोले-कांग्रेस मेरे लिए नई पार्टी नहीं

जयपुर में महेन्द्रजीत सिंह मालवीय ने कहा कि कांग्रेस मेरे लिए नई पार्टी नहीं है। पिछले 40 साल मैंने कांग्रेस में निकाले हैं, सरपंच के रूप में, प्रधान के रूप में, एमपी के रूप में, पांच बार जिला प्रमुख के रूप में, चार बार विधायक के रूप में और दो बार सरकार के मंत्री के रूप में लंबे समय तक कांग्रेस में काम किया। लेकिन, कुछ समय पहले मेरा मन हुआ कि डबल इंजन की सरकार है, मेरे क्षेत्र में विकास रुकना नहीं चाहिए और जनता का अहित नहीं हो, उस हिसाब से मैं जरूर भाजपा में गया था। वहां जाने पर मैंने देखा कि अपना एडजस्टमेंट, अपनी सहमति ठीक ढंग से यहां नहीं बन सकती हैं। इसलिए मैंने अपने मन से और कार्यकर्ताओं से राय लेकर यह तय किया कि कांग्रेस पार्टी में जाना चाहिए। आज नहीं तो कल कांग्रेस का राज वापस आ रहा है,उसे कोई नहीं रोक सकता है।

आलाकमान क्या निर्णय करता है वो देखेंगे : डोटासरा

वहीं पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि मुझे महेन्द्रजीत सिंह मालवीय का पत्र मिला है। जिसमे उन्होंने कहा है कि कांग्रेस पार्टी छोड़ना मेरी भूल है।

कांग्रेस ने हमेशा मुझे मान सम्मान दिया है, मैं कांग्रेस की रीति-नीति को मानने वाला व्यक्ति हूं। भारतीय जनता पार्टी में जाना मेरी बहुत बड़ी भूल थी, ऐतिहासिक भूल थी। भारतीय जनता पार्टी से मैंने इस्तीफा दे दिया है। बीजेपी में मेरा दम घुट रहा है, मैं एक सेकेंड भी वहां रहना नहीं चाहता हूं। डोटासरा ने कहा- डिसीप्लीनरी कमेटी है, हम सब लोग चर्चा करके अपनी रिपोर्ट प्रदेश प्रभारी के जरिए आलाकमान को देंगे और उस पर आलाकमान क्या निर्णय करता है, वो देखना होगा।

मनरेगा के नाम में बदलाव व किए गए संशोधन को बर्दाश्त नहीं करेगी कांग्रेस: रमेश ठेकेदार

45 दिन तक जागरूकता अभियान चलाएगा कांग्रेस एससी डिपार्मेंट

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । कांग्रेस के एससी डिपार्टमेंट के जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार की अगवाई में उनके कार्यालय पर मनरेगा योजना को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस दौरान कांग्रेस प्रवक्ता वेदप्रकाश विद्रोही भी मुख्य रूप से मौजूद रहें। इस मौके पर कांग्रेस प्रवक्ता वेदप्रकाश विद्रोही ने केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मनरेगा का नाम बदलना नहीं, बल्कि इसे खत्म करने की सोची-समझी साजिश है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार गरीब, दलित और मजदूर विरोधी सोच के तहत उस योजना पर हमला कर रही है, जो करोड़ों ग्रामीण परिवारों की रोज़ी-रोटी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि केंद्र के मजदूरी अंशदान में कटौती से राज्यों और श्रमिकों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ रहा है। बजट-सीमित आवंटन से रोजगार घटने और ग्रामीण संकट बढ़ने की आशंका जताई गई। वहीं जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार ने कहा कि मनरेगा कांग्रेस की ऐतिहासिक देन है और इसे खत्म करने की कोशिश संविधान और सामाजिक न्याय पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मनरेगा के नाम में बदलाव व किए गए संशोधन को बर्दाश्त नहीं करेगी। साथ ही कहा कि भाजपा सरकार ने जानबूझकर इस योजना को कमजोर किया है, ताकि गरीब मजदूर बेरोजगार होकर पतन की ओर चले जाएं। रमेश ठेकेदार ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मनरेगा से छेड़छाड़ और मजदूरों के साथ हो रहे अन्याय को तुरंत बंद नहीं किया गया, तो कांग्रेस एससी डिपार्टमेंट सड़कों पर उतरकर 45 दिन तक लगातार आंदोलन करेगा। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि कांग्रेस गरीबों का हक छीनेने नहीं देगी और आखिरी दम तक इस लड़ाई को लड़ेगी। एससी डिपार्टमेंट के प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल फांडन और प्रधान मीर सिंह चावरिया ने कहा कि भाजपा सरकार केवल कॉरपोरेट घरानों की सेवा में लगी है और गांव, किसान व मजदूर उसकी प्राथमिकता में नहीं हैं। मनरेगा के काम बंद कराए जा रहे हैं और कागजों में झूठा विकास दिखाया जा रहा है। इस मौके पर एससी डिपार्टमेंट के प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल फांडन, प्रधान मीर सिंह चावरिया, खूबराम पूर्व सरपंच नंदरामपुर बास, राजेंद्र गहलोत, मामराज, रविदत्त, गौरीशंकर, इंद्रजीत, सुदेश, हरिरास सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहें।

नवनियुक्त भाजपा जिला मंत्री विनोद लुहानीवाल का भव्य स्वागत किया

51 किलो की माला और साफा पहनाकर किया अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिला मंत्री विनोद लुहानीवाल के प्रथम बार चिड़ावा आगमन पर बिवाल भवन में कुम्हार-कुमावत समाज द्वारा जोरदार नागरिक अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने लुहानीवाल को 51 किलो की फूलों की माला और साफा पहनाकर उनका सम्मान किया। समारोह की अध्यक्षता महासभा उपाध्यक्ष मातूराम ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में महासभा महामंत्री बालेंद्र क्लोया, जिला प्रभारी विनोद दादरवाल, रतन, भाजपा मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर और प्रताप मौजूद रहे। इस दौरान वक्ताओं ने विनोद लुहानीवाल की नियुक्ति पर भाजपा शीर्ष नेतृत्व और जिलाध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। स्वागत करने वालों में महासभा जिला कार्यकारी अध्यक्ष राधेश्याम ऑपरेटर, पूर्व भाजपा चिड़ावा मंडल अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, सुरेश जालिंद्रा, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी नरहर, राजेश वर्मा, सीताराम वर्मा, नत्थू सिंघाटिया, भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष अशोक शर्मा, कैलाश, हेमंत, संजय वर्मा, ऋषिकेश, पवन नौहवाल, सज्जन गोदारा, सुनील भड़ियां, गुगन, राधेश्याम मंड्रेला, मंगेश भगत, पार्षद गंगाधर सैनी और महेंद्र शामिल रहे। कार्यक्रम में समाज के प्रबुद्ध जन जिनमें ताराचंद, मुन्ना, राजू, राजकपूर, जगदीश, सुभाष, नागेश, सांवरमल काकरिया, मदन वर्मा, इंद्राज, दिनेश, राजकुमार, सुनीता और प्रेम सहित सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित थे। नवनियुक्त जिला मंत्री ने इस सम्मान के लिए पूरे समाज का आभार जताते हुए संगठन की मजबूती के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

लक्ष्मणगढ़ के लाल की ऐतिहासिक उपलब्धि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला,राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के सानिध्य में जोधपुर में आयोजित देश प्रदेश के माहेश्वरी बंधुओं व अन्य सम्मानित अतिथियों की मौजूदगी में आयोजित एमसीसी के त्रिसर्ग स्टार्ट अप प्रतियोगिता में नीओमोशन के टॉप 30 स्टार्ट अप प्रतियोगिता में लक्ष्मनगढ के मूल निवासी बैंगलोर प्रवासी उद्योगपति पवन कुमार डागा के भतीजे एवं मद्रास निवासी उद्योगपति रविन्द्र के सुपुत्र सिद्धार्थ ने प्रथम स्थान प्राप्त कर सफलता का परचम लहराते हुए इतिहास रचते हुए कीर्तिमान स्थापित किया है। उल्लेखनीय है कि लक्ष्मनगढ के लाल सिद्धार्थ की उपलब्धि कोई साधारण नहीं बल्कि उसके दूरदृष्टी, तकनीकी तथा अथक परिश्रम का परिणाम है। जो पूरे समाज व लक्ष्मनगढ के लिए गौरव की बात है। कार्यक्रम में उद्योगपति श्रीमती राजश्री बिड़ला, राधाकृष्ण दमाणी, हरिमोहन बांगड़ सहित दिग्गज राजनेताओं की मौजूद थे।

मनरेगा का नाम बदलकर भाजपा ने दिया संकुचित मानसिकता का परिचय: विधायक चंद्रप्रकाश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.हिसार।

मनरेगा का नाम बदलकर भाजपा महात्मा गांधी के सिद्धांतों से कर रही खिलवाड़ : विधायक चंद्रप्रकाश

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । विधायक चंद्रप्रकाश ने भाजपा द्वारा मनरेगा का नाम बदलने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि मनरेगा का नाम बदलकर भारतीय जनता पार्टी ने संकुचित मानसिकता का परिचय दिया है। कांग्रेस पार्टी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सिद्धांतों को अपनाते हुए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम शुरू किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा हर वर्ग की चिंता की है। इसलिए ग्रामीण क्षेत्र के परिवारों के लिए काम सुनिश्चित करके उनकी वित्तीय स्थिति को ठीक करने के लिए मनरेगा की शुरुआत की। चंद्रप्रकाश ने कहा कि भाजपा महात्मा गांधी के सिद्धांतों से खिलवाड़ करके मनरेगा को वीबी-जी राम जी का नाम देकर केवल राजनीतिक रोटियां सेक रही है। विधायक चंद्रप्रकाश ने गरीब, मजदूर और ग्रामीण भारत के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा हेतु शुरू किए गए मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत एक दिवसीय उपवास में हिस्सा लिया। हिसार के गांधी चौक पर महात्मा गांधी जी की प्रतिमा के समक्ष इस उपवास में बहुत से वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं व कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। चंद्रप्रकाश ने कहा कि भाजपा ने सत्ता में आने के बाद कभी भी गरीब, मजदूर, किसान व पिछड़ा वर्ग की कोई सुध नहीं ली। भाजपा ने रोजगारपरक व रचनात्मक योजनाएं शुरू करने की अपेक्षा कांग्रेस के शासनकाल में शुरू की गई जनहित की योजनाओं का केवल नाम बदलने का काम किया है। इसी भांति चौक-चौराहों का नाम बदलकर उसे विकास का नाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने विकसित भारत के नाम पर संसद में बिल पास करके नागरिकों के साथ भद्दा मजाक किया है। चंद्रप्रकाश ने कहा कि कांग्रेस द्वारा शुरू किए गए मनरेगा को भाजपा 11 वर्षों से चला रही थी लेकिन नाम बदलने की योजना के तहत अब उसका नाम बदलकर भाजपा इस योजना का श्रेय लेना चाह रही है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा वास्तव में गरीबों, मजदूरों व किसानों के हितों के लिए कुछ करना चाहती है तो मनरेगा का नाम बदलने की अपेक्षा किसी नई योजना की शुरुआत करनी चाहिए थी लेकिन भाजपा की नीतियां व कार्यशैली यही है कि केवल नाम बदलकर उसका श्रेय ले लिया जाए। उन्होंने कहा कि जब तक वीबी जी राम जी का नाम बदलकर वापस मनरेगा नहीं किया जाता तब तक कांग्रेस पार्टी व कार्यकर्ता चैन से नहीं बैठेंगे। विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी व महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। कानून व्यवस्था का दिवाला निकल चुका है और युवा नशे की दलदल में धंसते जा रहे हैं। किसान असली बीज, खाद, सिंचाई के पानी व बिजली के लिए तरस रहे हैं। इतना ही नहीं गरीब, मजदूर व पिछड़ों के लिए कोई कार्य नहीं किया जा रहा। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा वास्तव में कुछ अच्छा करना चाहती है तो उसे गरीब, मजदूर, किसान व पिछड़ा वर्ग सहित हर वर्ग की भलाई के लिए योजनाएं शुरू करके बेरोजगारी को दूर करने के उपाय करने चाहिए।

गादूवास में श्री श्याम गौशाला का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । मुण्डावर उपखंड क्षेत्र के गांव गादूवास में आज श्री श्याम गौशाला का उद्घाटन बड़े धूमधाम से किया गया। इस समारोह में गौमाताओं के संरक्षण और सेवा के उद्देश्य से निर्मित गौशाला का उद्घाटन किया गया, जो क्षेत्र में धार्मिक आस्था और मान्यताओं के अनुसार गौ-सेवा की दुर्गति को रोकने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। समारोह में महन्त कृष्णा गिरी महाराज जी ने पावन सानिध्य दिया। मुख्य अतिथि के रूप में मा. वलबीर छिल्लर (जिला प्रमुख, अलवर), मा. ललित यादव (विधायक मुण्डावर), मा. मंजीत धर्मपाल चौधरी (पूर्व विधायक), डॉ. अंजली यादव, इन्द्र यादव (युवा नेता), और संदीप यादव (पूर्व विधायक) सहित कई जनप्रतिनिधि और समाजसेवी उपस्थित थे। गौरक्षक टीम में मोनू मानेसर, वीरेंद्र सरपंच और विक्रम पहलवान शामिल थे। कार्यक्रम में गौशाला निर्माण के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया गया कि गौ-तस्करी और गौकशी की रोकथाम के लिए ऐसे आयोजन आवश्यक हैं। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से गौशाला में बढ़ी हुई गौमाताओं की सेवा में सहयोग की अपील की और अधिक से अधिक दान देकर धर्म कमाने का आह्वान किया। समारोह में कलाकार नरदेव बेनिवाल एण्ड पार्टी ने अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर गौभक्तों और दानी सज्जनों ने गौशाला के विकास के लिए बढ़-चढ़कर भाग लिया और भविष्य में भी गौ-संरक्षण के प्रयासों को जारी रखने का संकल्प लिया।

फ्रेशर हैं तो इंटरव्यू के दौरान ये टिप्स दिला सकती है नौकरी

एक फ्रेशर के लिए जॉब पाना काफी कठिन हो सकता है। लेकिन अगर आप इंटरव्यू के दौरान कुछ छोटे-छोटे टिप्स अपनाते हैं तो इससे आपके लिए जॉब पाना काफी आसान हो जाएगा।

एक अच्छी जॉब पाना बहुत मुश्किल होता है। अक्सर एक्सपीरियंस लोगों के लिए भी मनपसंद जॉब के लिए इंटरव्यू क्रैक करना इतना आसान नहीं होता है। ऐसे में बतौर फ्रेशर इंटरव्यूअर को इंप्रेस करके जॉब पाना यकीनन एक जंग को जीतने से कम नहीं है। अक्सर ऐसा होता है कि फ्रेशर कई कंपनियों में जॉब के लिए अप्लाई करते हैं, लेकिन इंटरव्यू के वह पीछे रह जाते हैं और उन्हें अच्छी जॉब मिलते-मिलते रह जाती है।हो सकता है कि आपके साथ भी अक्सर ऐसा होता हो। ऐसे में आपको बहुत अधिक निराशा होती है। लेकिन अगर आप कुछ छोटे-छोटे टिप्स अपनाते हैं तो इससे फ्रेशर होने के बाद भी इंटरव्यू क्रैक करना और जॉब हासिल करना आपके लिए काफी आसान हो जाता है।

दिखें प्रेजेंटेबल

अगर आप चाहते हैं कि इंटरव्यू में आपका अच्छा इंप्रेशन मिले तो ऐसे में आपको प्रेजेंटेबल दिखना बेहद जरूरी है। इसलिए, जब आपके पास इंटरव्यू के लिए कॉल आती है तो आप ड्रेस कोड के अनुसार कपड़े खरीदें। आप कंपनी की पॉलिसी को ध्यान में रखकर कपड़े चुन सकती हैं। आप कपड़ों को अच्छी तरह आयरन करने के अलावा अपने जूतों को भी पॉलिश करें। अगर आपका इंटरव्यू ऑनलाइन (ऑनलाइन शॉपिंग) है तो भी आप ड्रेस कोड के अनुसार कपड़े पहनना ना भूलें।

कंपनी के बारे में करें रिसर्च

अक्सर एक फ्रेशर इंटरव्यू में इसलिए भी मात खा जाते हैं, क्योंकि जब इंटरव्यूअर उनसे कंपनी के बारे में कुछ सवाल करते हैं तो उन्हें इसके बारे में पता नहीं होता है। इसलिए, अगर आपको किसी कंपनी से इंटरव्यू कॉल आई है तो आप पहले कंपनी के बारे में पूरी तरह से रिसर्च करें। आप कंपनी के प्रोडक्ट या सर्विस के अलावा उनके करंट क्लाइंट, ग्रोथ रिकॉर्ड व उनके गोल्स के बारे में जानने की कोशिश करें।

बॉडी लैंग्वेज को करें मेंटेन

इंटरव्यू के दौरान आपकी बॉडी लैंग्वेज भी बहुत अधिक महत्वपूर्ण है। आप इंटरव्यू के दौरान किस तरह बैठते हैं, किस तरह बात करते हैं, इससे सामने वाले व्यक्ति पर गहरा प्रभाव पड़ता है। आपका बॉडी लैंग्वेज आपके कॉन्फिडेंस (कॉन्फिडेंस टिप्स)को दिखाता है। जिससे आपको जॉब मिलने के चांसेस काफी बढ़ जाते हैं। इसलिए, बिना किसी झिझक के आंख मिलाएं। साथ ही बैठते समय बहुत झुककर न बैठें। बात करते हुए आपके चेहरे पर हल्की मुस्कान आपको अधिक कॉन्फिडेंट बनाती है।

डॉक्यूमेंट को रखें एक्स्ट्रा सेट

जब आप इंटरव्यू के लिए जा रहे हैं तो ऐसे में कोशिश करें कि आप अपने सभी जरूरी डॉक्यूमेंट के 2 या 3 एक्स्ट्रा सेट जरूर रखें। हो सकता है कि इंटरव्यू के दौरान एचआर द्वारा आपसे आपके बायोडाटा की हार्ड कॉपी मांग लें। ऐसे में अगर आपके पास अतिरिक्त कॉपी होगी तो आपके लिए काफी फायदा होगा।

इंटरव्यू के बाद करें फॉलो अप

इंटरव्यू के बाद यह बेहद जरूरी है कि आप बाद में आप फॉलो अप ई-मेल जरूर भेजें। जिसमें आप थैंक्यू के साथ-साथ फॉलोअप लें। इससे आपका एक अच्छा इंप्रेशन पड़ता है। कोशिश करें कि आप इस ईमेल को जॉब इंटरव्यू के 24 घंटों के भीतर भेजें ताकि इंटरव्यूअर को आप याद रख पाएं। हो सकता है कि इससे आपको जॉब मिलने के चांसेस काफी अधिक बढ़ जाएं।

जॉब इंटरव्यू में स्ट्रेंथ और वीकनेस पूछने पर, क्या देना चाहिए जवाब?

जब हम नई नौकरी के लिए इंटरव्यू देने जाते हैं, तो हमसे कई तरह के सवाल पूछे जाते हैं। वहीं कुछ सवाल काफी पेचीदा होते हैं, जैसे- आपकी स्ट्रेन्थ और वीकनेस क्या है? इस सवाल का जवाब कई लोग सही से नहीं दे पाते हैं और उन्हें नौकरी से हाथ धोना पड़ जाता है।

हर किसी को नौकरी पाने के लिए इंटरव्यू देना पड़ता है। इंटरव्यू में अगर आप अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो आपकी जॉब पक्की हो जाती है। वहीं, कई बार छोटी-छोटी गलतियों की वजह से आप नई नौकरी से हाथ धो बैठते हैं। इंटरव्यू के दौरान कई तरह के सवाल पूछे जाते हैं, जिसमें से एक सवाल अक्सर कैंडिडेट को परेशान करता है। जब रिक्रूटर आपसे पूछता है कि Whats Your Strength And Weaknesses यानी आपकी ताकत और कमजोरी क्या हैं? कई बार लोग इस सवाल का जवाब अच्छे से नहीं दे पाते हैं और कुछ को तो समझ ही नहीं आता है कि इसका जवाब क्या देना है?

दरअसल, रिक्रूटर यह सवाल इसलिए करते हैं, क्योंकि वह देखना चाहते हैं कि आप कितने सेल्फ-अवेयर हैं। आप अपनी स्ट्रेन्थ और अपनी कमजोरियों को कितना अच्छे से जानते हैं। दूसरी बात, वे यह भी चेक करते हैं कि आपकी स्ट्रेन्थ नई नौकरी के साथ कितना ज्यादा मैच करती है। वहीं, कमजोरियां पर बात इसलिए करते हैं, क्योंकि वे देखते हैं कि आप पर्सनल ग्रोथ और प्रॉब्लम सॉल्विंग के लिए किस तरह से काम करते हैं।

इंटरव्यू में फ्रेशर्स अपनी स्ट्रेन्थ के बारे में क्या बताएं?

अगर आप एक फ्रेशर हैं और आपके पास किसी तरह का एक्सपीरियंस नहीं है, तो चिंता न करें। आप इंटरव्यू में स्ट्रेन्थ यानी अपनी खूबियों के बारे में पूछने पर इन टिप्स को फॉलो करें।

सीखने की उत्सुकता- इंटरव्यू में आपकी ताकत पूछे जाने पर आपको जवाब देना है कि आप सीखने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और नई नॉलेज को हमेशा स्वीकार करने के लिए खुले रहते हैं।

फ्लैक्सिबिलिटी और एडैप्टिबिलिटी- आपको बोलना होगा कि आप नई जगह पर आराम से तालमेल बिठा सकते हैं। नए सॉफ्टवेयर और प्रोसेस को सीखने के लिए तैयार रहते हैं।

स्ट्रॉन्ग वर्क एथिक्स- आप हमेशा खुद को साबित करने के लिए उत्साहित बने रहते हैं। आपको कहना होगा कि आप अपने टास्क को डेडलाइन से पहले और क्वालिटी वर्क देने में काफी अच्छे हैं।

कम्युनिकेशन और टीमवर्क- इंटरव्यू में जब फ्रेशर्स से पूछा जाता है कि आपकी स्ट्रेन्थ क्या है, तो आपको जवाब देना होगा कि मैंने कॉलेज और कई कॉलेज प्रोजेक्ट्स में लीड किया है। मैं कम्युनिकेशन में और टीम के साथ मिलकर काम करने में अच्छा हूं।

टेक्निकल स्किल्स- फ्रेशर्स को अपनी टेक्निकल स्किल्स स्ट्रेन्थ के रूप में जरूर हाइलाइट करनी चाहिए। अगर आपको कोई सॉफ्टवेयर, प्रोग्रामिंग लैग्वेंज या डिजायन टूल आता है, तो उसके बारे में बताएं।

अनुभवी प्रोफेशनल्स को कैसे देना चाहिए Tell Me About Your Strengths का जवाब?

- अगर आप अनुभवी प्रोफेशनल हैं, तो आपको Tell Me About Your Strengths के सवाल के पीछे के उद्देश्य को समझना होगा। अपनी स्ट्रेन्थ के लिए STAR (सिचुएशन, टास्क, एक्शन और रिजल्ट) मैथेड के साथ जवाब देना होगा।
- अपनी स्ट्रेन्थ में टेक्निकल स्किल्स, एनालिटिकल स्किल्स और सॉफ्टवेयर टूल्स में प्रोफिशियंसी को शामिल करना होगा।
- आपको कहना होगा कि मैं बहुत ऑर्गनाइज्ड हूं। मैंने अपनी पिछली कंपनी में एक नए मैनेजमेंट टूल को बनाया था, जिसकी वजह से हमारा काम 20 फीसदी तक आसान हो गया था।
- आपको बिना ईगो के कहना होगा कि मैं किसी भी टीम में सबसे अच्छा कम्युनिकेटर हूं।
- मेरी ताकत मल्टीटास्किंग है और मैं आउट ऑफ द बॉक्स सोचने की क्षमता रखता हूं।

इंटरव्यू में Tell Me About Your Weaknesses बताने का तरीका

- जब आपसे रिक्रूटर पूछता है कि आपकी वीकेनस क्या है? तब आपको ध्यान रखना होगा कि जिस नौकरी के लिए आपने आवेदन किया है, उसके लिए यह हानिकारक न हो।
- मैंने देखा कि मैं किसी प्रोजेक्ट को बेहतर बनाने के लिए उसकी डिटेलिंग पर चला जाता हूं, जिसकी वजह से उन कामों को खत्म करने में ज्यादा समय लग जाता है। हालांकि, मैंने अपनी इस कमजोरी पर काम करना शुरू कर दिया है। मैं समय-सीमा निर्धारित करके ही काम को शुरू और खत्म करता हूं।
- मैं परफेक्शन के साथ काम करना पसंद करता हूं। हालांकि, कई बार प्रोजेक्ट को समय पर डिलीवर करने में देरी भी हो जाती है, क्योंकि मैं हर काम में अपना बेस्ट देने की कोशिश करता हूं।
- मैं दूसरों को काम सौंपने की जगह खुद काम करने पर भरोसा करता हूं, क्योंकि मेरा मानना है कि काम सही ढंग से किया जाना जरूरी है। हालांकि, मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए और अपनी टीम पर भरोसा रखना चाहिए।
- हमेशा अपनी कमजोरियां बताते समय ज्यादा निगेटिव होने से बचें। अपनी एबिलिटी में सुधार करने के लिए विनम्रता और कॉन्फिडेंस के साथ बैलेंस बनाकर चलें। आपका यह नजरिया ईमानदारी, ग्रोथ मेंटलिटी और प्रोफेशनलिज्म को दिखाता है।

विदेश जाकर करना चाहते हैं मीडिया की पढ़ाई, तो ये रहे टॉप 5 यूनिवर्सिटी

मीडिया की पढ़ाई के लिए अगर आप विदेश के किसी यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेना चाहती हैं, तो इस आर्टिकल से आइडिया ले सकती हैं। यहां पर मास कम्युनिकेशन और जर्नलिज्म की पढ़ाई के लिए कुछ यूनिवर्सिटी के बारे में बता गया है।

मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है और इसमें एंट्री लेने के लिए कैंडिडेट को मास कम्युनिकेशन का कोर्स करना अनिवार्य होता है। अगर आप विदेश जाकर मीडिया की पढ़ाई करना चाहती हैं और अपने करियर को एक नया आयाम देना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। यहां हम आपको मास कम्युनिकेशन व जर्नलिज्म की पढ़ाई के लिए बेहतरीन फॉरेन कॉलेज के बारे में बताने वाले हैं। पत्रकारिता की पढ़ाई करके छात्रों को मीडिया के विभिन्न रूपों जैसे प्रिंट, टेलीविजन, रेडियो, डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया आदि के बारे में सीखने का मौका मिलेगा। खास बात यह है कि इस कोर्स को करने से आपके अंदर समाचार, फिल्म निर्माण, लेखन, जनसंपर्क और अन्य क्षेत्रों में एक जाने का मौका मिल सकता है। यदि आप इस बात को लेकर कंफ्यूज हैं कि पाठ्यक्रम की पढ़ाई के लिए आपको कौन सा कॉलेज और देश चुनना चाहिए, तो यहां इसकी पढ़ाई के लिए विदेश के टॉप 5 कॉलेजों के बारे में जानकारी दी गई है।

एम्स्टर्डम विश्वविद्यालय

एम्स्टर्डम विश्वविद्यालय में पत्रकारिता और मीडिया अध्ययन का अध्ययन करें, जहां कार्यक्रम व्यावहारिक अनुभव के साथ सैद्धांतिक नींव को जोड़ते हैं। अपना अंतर्राष्ट्रीय करियर शुरू करने के लिए स्नातक, स्नातकोत्तर और विनिमय कार्यक्रमों में से चुनें।

पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय

पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय का एनेनबर्ग स्कूल फॉर कम्युनिकेशन पत्रकारिता और संचार में कार्यक्रमों का एक सेट प्रदान करता है। छात्र व्यावहारिक कौशल के साथ सैद्धांतिक नींव को मिलाकर एक व्यापक शिक्षा प्राप्त करते हैं। कार्यक्रम मीडिया, संचार और सामाजिक गतिशीलता के बीच जटिल संबंधों की जांच करते हैं।

न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय

न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय का आर्थर एल. कार्टर पत्रकारिता संस्थान पत्रकारिता, मीडिया अध्ययन और संचार में असाधारण कार्यक्रम प्रदान करता है। पुरस्कार विजेता संकाय के नेतृत्व में, हमारे कार्यक्रम छात्रों को रिपोर्टिंग, लेखन, मल्टीमीडिया उत्पादन और उससे आगे के कौशल से लैस करते हैं।

सिंगापुर का राष्ट्रीय विश्वविद्यालय

इंटरैक्टिव मीडिया डिज़ाइन, मीडिया अध्ययन और लिंग और सांस्कृतिक अध्ययन में विदेश में अध्ययन के अवसरों के लिए नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर दक्षिण पूर्व एशिया में अग्रणी है। संचार और नया मीडिया विभाग महत्वाकांक्षी पत्रकारों को बहुमुखी पेशेवरों के रूप में विकसित करता है, जो विविध मीडिया और संचार वातावरण में फलने-फूलने के लिए अच्छा विकल्प है।

दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय

विदेश में पत्रकारिता और संचार में शीर्ष स्तर की शिक्षा के लिए लॉस एंजिल्स में दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के एनेनबर्ग स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म पर विचार करें। राजनयिक वाल्टर एनेनबर्ग के नाम पर रखा गया यह एक प्रतिष्ठित संस्थान, प्रतिष्ठित एनेनबर्ग स्कूल के माध्यम से स्नातक और परास्नातक पत्रकारिता कार्यक्रम प्रदान करता है।

फ्रीलांसर से लेकर डिजाइनर तक ये हैं कॉलेज में पढ़ने वालों के लिए 5 बेहतरीन जॉब्स

कॉलेज के छात्र होने के कारण अक्सर आपका बजट कम रहता है। अक्सर लोगों सो पढ़ाई के सिलसिले में दूसरे शहर में रहना पड़ता है। ऐसे में कॉलेज फीस के साथ कई अन्य खर्चे भी जुड़ जाते हैं। सिर्फ बिल और किराने का सामान ही खर्च नहीं होता है जो आपको उठाना पड़ता है, बल्कि कई सारे अलग खर्च भी होते हैं। ऐसे मामलों में, आपको एक साइड इनकम की जरूरत होती है, जो आपको कुछ अतिरिक्त पैसे कमाने में मदद करे। अगर आपके पास कॉलेज के बाद कुछ खाली समय है और आपके पास कुछ स्किल भी है, तो कुछ साइड जॉब्स करके आप अपने आय का एक बढ़िया जरिया ढूंढ सकते हैं।

फीलांसर के रूप में जॉब

अंग्रेजी, पत्रकारिता, संचार या संबंधित क्षेत्रों में पढ़ाई करने वाले कॉलेज के छात्रों के लिए, फीलांस लेखन एक उपयुक्त और आकर्षक साइड हसल हो सकता है। यदि आपके पास मजबूत लेखन कौशल है, तो आप अपवर्क जैसे प्लेटफ़ॉर्म पर खोज कर सकते हैं, जहां क्लाइंट ब्लॉग पोस्ट, लेख और वेबसाइट कॉपी सहित आकर्षक सामग्री तैयार करने के लिए कुशल लेखकों की तलाश करते हैं। भले ही आप तकनीकी क्षेत्र में पढ़ाई कर रहे हों, आप तकनीकी लेखन या संपादन परियोजनाओं को सुरक्षित करने के लिए अपने विशेष ज्ञान का लाभ उठा सकते हैं।

ग्राफिक डिजाइनर

अगर आपको डिज़ाइन का शौक है, तो इसे फ्रीलांस ग्राफ़िक डिज़ाइनर के रूप में आकर्षक साइड हसल में बदलने पर विचार करें। इस रचनात्मक प्रयास में क्लाइंट के लिए विज़ुअल कंटेंट तैयार करना शामिल है, जिसमें लोगो और बैनर से लेकर सोशल मीडिया ग्राफ़िक्स और उससे भी आगे की चीज़ें शामिल हैं। आप टी-शर्ट और हैट जैसे मर्चेंडाइज़ के लिए डिज़ाइनिंग भी कर सकते हैं या अपनी खुद की कलाकृति भी बेच सकते हैं। ग्राफ़िक डिज़ाइन, विज़ुअल आर्ट्स या इससे संबंधित क्षेत्रों में पढ़ाई करने वाले छात्र इस साइड हसल को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए अपने कौशल और ज्ञान का लाभ उठा सकते हैं।

ऑनलाइन ट्यूटर

यदि आप किसी विशेष विषय में उत्कृष्ट हैं, तो ऑनलाइन ट्यूशन के माध्यम से अपनी विशेषज्ञता साझा करने पर विचार करें। यह अंशकालिक अवसर आपको अपने शेड्यूल के अनुसार काम करते हुए एक अच्छी आय अर्जित करने की अनुमति देता है। हालाँकि कोई विशिष्ट प्रमुख आवश्यकताएँ नहीं हैं, लेकिन विषय वस्तु पर अच्छी पकड़ होना आवश्यक है। गणित, अंग्रेजी, विज्ञान, इतिहास या शिक्षा जैसे विषयों में प्रमुखता रखने वाले छात्र ट्यूशन सेवाएँ प्रदान करने के लिए अपने ज्ञान का लाभ उठा सकते हैं। आप मार्गदर्शन की आवश्यकता वाले हाई स्कूल के छात्रों से जुड़ सकते हैं और दुनिया भर के छात्रों को पढ़ा सकते हैं। ऑनलाइन ट्यूशन एक लचीला और संतोषजनक साइड जॉब है जो आपको अपना ज्ञान प्रदान करने और दूसरों को सफल होने में मदद करने में सक्षम बनाता है।

मीडिया वर्कशॉप में विद्यार्थियों ने जाना अखबार प्रकाशन से प्रशासन तक का सफर

पीएम श्री चमेली देवी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने मीडिया हाउस व यूनिवर्सिटी भ्रमण से सीखी ग्राउंड रिपोर्टिंग और करियर स्किल्स

भीम प्रज्ञा न्यूज़ पचेरी (झुंझुनूं)।

पीएम श्री चमेली देवी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बुहाना के छात्र-छात्राओं ने एजुकेशनल विजिट के तहत मीडिया वर्कशॉप एवं ग्राउंड रिपोर्टिंग के माध्यम से पत्रकारिता, मीडिया साक्षरता और करियर निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण कौशलों की जानकारी प्राप्त की। इस क्रम में विद्यार्थियों ने दैनिक भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस एंड सेंट्रल लाइब्रेरी, बुहाना रोड पचेरी बड़ी पहुंचकर अखबार प्रकाशन की संपूर्ण प्रक्रिया को नजदीक से समझा।

अखबार प्रकाशन की बारीकियां सीखीं

मीडिया वर्कशॉप के दौरान विद्यार्थियों को अखबार की कंपोजिंग, डिजाइनिंग, खबर लेखन, संपादन, खोज खबर, प्रकाशन और अखबार प्रशासन की प्रोसेसिंग से अवगत कराया गया। बच्चों ने भीम प्रज्ञा द्वारा संचालित पुस्तकालय सेंट्रल लाइब्रेरी का भी भ्रमण किया, जहां उन्हें संदर्भ ग्रंथों और शोध सामग्री की उपयोगिता समझाई गई।

करियर गाइडेंस और नई शिक्षा नीति पर मार्गदर्शन

मीडिया वर्कशॉप के मुख्य प्रशिक्षक दैनिक भीम प्रज्ञा के प्रधान संपादक एडवोकेट हरेश पंवार ने नई शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को मीडिया साक्षरता, करियर विकल्पों और कौशल आधारित शिक्षा के महत्व, वर्तमान परिपेक्ष में मीडिया की भूमिका और सोशल मीडिया में हर व्यक्ति की पहुंच और राष्ट्रीय तथा सामाजिक जिम्मेवारी की नैतिक जानकारी दी। सिंघानिया यूनिवर्सिटी के पीवीसी डॉ. पवन त्रिपाठी ने यूनिवर्सिटी की विभिन्न लैब, फार्मेसी, कंप्यूटर साइंस, लॉ फ्रॉम लाइब्रेरी और मूट कोर्ट का भ्रमण करवाकर उच्च शिक्षा एवं करियर निर्माण के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

मीडिया में करियर का प्रशिक्षण देते थे भीम प्रज्ञा के संपादक एडवोकेट हरेश पंवार

मीडिया वर्कशॉप को संबोधित करते हुए पीवीसी डॉ पवन त्रिपाठी

सिंघानिया यूनिवर्सिटी के एयरोनॉटिक्स डिपार्मेंट में ग्राउंड रिपोर्टिंग करते हुए पीएम श्री चमेली देवी स्कूल बुहाना के विद्यार्थी

ग्राउंड रिपोर्टिंग के लिए सिंघानिया यूनिवर्सिटी भ्रमण

विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव दिलाने के उद्देश्य से उन्हें ग्राउंड रिपोर्टिंग हेतु सिंघानिया यूनिवर्सिटी का भ्रमण करवाया गया। यहां बच्चों को विज्ञान, मेडिकल व फार्मेसी क्षेत्र में मेडिसिन निर्माण की प्रक्रिया, विधिक शिक्षा के अंतर्गत मूट कोर्ट विजिट एवं न्यायिक प्रक्रिया की ट्रायल डेमो दिखाई गई। इसके साथ ही एरोनॉटिकल स्किल्स के लिए फाइटर जेट और हवाई जहाज मॉडल का निरीक्षण करवाया गया, जिस पर विद्यार्थियों ने रिपोर्टिंग की।

समसामयिक विषयों पर रिपोर्टिंग असाइनमेंट

विद्यार्थियों ने साइबर अपराध से बचाव, आधुनिक वेयरहाउस, कृषि प्लांट, शोध एवं नवाचार जैसे विषयों पर ग्राउंड रिपोर्टिंग कर अपने असाइनमेंट तैयार किए। इस दौरान उन्होंने मीडिया साक्षरता का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करते हुए संवाद, अवलोकन और विश्लेषण की कई महत्वपूर्ण स्किल्स विकसित कीं।

विद्यालय व यूनिवर्सिटी, मीडिया कर्मी स्टाफ की रही उपस्थिति

विद्यालय भ्रमण दल का नेतृत्व वाइस प्रिंसिपल मंजू देवी टेलर ने किया। कार्यक्रम समन्वयक दिनेश कुमार बरवड़, शिक्षक सीताराम एवं नवीन कुमार उपस्थित रहे, सेंट्रल लाइब्रेरी के डायरेक्टर एडवोकेट मनोज पंवार, सतीश कुमार, सिंघानिया यूनिवर्सिटी के पुस्तकालय अधीक्षक डॉ. धर्मपाल, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. एस.के. दुबे, लॉ डिपार्टमेंट के डीन सुनील चतुर्वेदी, डिप्टी रजिस्ट्रार दीप्ति गुप्ता, डॉ. मधुबाला, डॉ. सरिता तिवारी, डॉ. प्रभात त्रिपाठी, मोहित श्रीवास्तव, डॉ. कपिल शर्मा सहित अनेक शिक्षाविद् एवं अधिकारी मौजूद रहे।

मीडिया साक्षरता से आत्मविश्वास में वृद्धि

इस शैक्षणिक भ्रमण व मीडिया वर्कशॉप से विद्यार्थियों में न केवल पत्रकारिता और ग्राउंड रिपोर्टिंग की समझ विकसित हुई, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में करियर निर्माण को लेकर उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा। कार्यक्रम को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सार्थक पहल माना गया। विद्यार्थियों ने इस कार्यशाला में एक काफी उत्सुकता और सहभागिता के साथ कई रोचक पहलूओं पर अपनी सहमति जताई।

ठगी पीड़ित परिवार द्वारा सुखाड़िया पार्क में एक दिवसीय मीटिंग का किया आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लाखेरी(बूंदी)।

विष्णु प्रसाद बैरवा । रविवार को ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार, ने एक मीटिंग सुखाड़िया पार्क, शंकरपुरा, लाखेरी पर रखी गई जिसमे सभी पीड़ितों के भुगतान की चर्चा की गई तथा बड्स एक्ट 2019 के तहत आवेदन वितरण करने हेतु दिनांक 02 फरवरी 2026 को खेडली के बालाजी, इन्द्रगढ़ में रखना तय किया है। जिसमे भुगतान दावा फार्म जिला कलेक्टर कार्यालय में जमा करने की रणनीति तैयार की जायेगी, प्रदेश अध्यक्ष एम. पी. शर्मा ने बताया कि सक्रिय कार्यकर्त्ता नियुक्त भुगतान का दावा किया जावेगा। बैठक में प्रमुख भूमिका लाखेरी से बद्रीलाल सैनी, विष्णु प्रसाद बैरवा, राजेंद्र बैरवा, जगदीश सैनी, सुमेरगंजमंडी, से सीताराम शर्मा, कैलाश, कोडक्या से जुगल चौहान, राधेश्याम गुजर, अनघोरा से सोभाग मल सैनी एवं अन्य कार्यकर्ताओं एवं अन्य ने भाग लिया।

कोलासर खादी के पूर्व अध्यक्ष कृपाराम परिहार का निधन, क्षेत्र में शोक

भीम प्रज्ञा न्यूज़ बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर जिले के कोलासर गांव के वरिष्ठ समाजसेवी एवं कोलासर खादी ग्रामोद्योग समिति के पूर्व अध्यक्ष कृपाराम परिहार का निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। कृपाराम परिहार ने खादी एवं ग्रामोद्योग के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और स्वावलंबन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके सामाजिक सरोकार और सरल व्यक्तित्व को लोग सदैव स्मरण रखेंगे। वे अपने पीछे शिक्षित एवं प्रतिष्ठित परिवार छोड़ गए हैं। उनके पुत्र भंवरलाल परिहार शिक्षा विभाग में अध्यापक हैं और राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) के जिला अध्यक्ष रह चुके हैं, मदनलाल मेघवाल अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं, पप्पूलाल पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं तथा झंवरलाल परिहार नर्सिंग ऑफिसर के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। उनके निधन पर सामाजिक संगठनों, शिक्षक समुदाय और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए इसे समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया है।

किन्नर समाज को शाकंभरी माता की चुनरी ओड़ाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । शाकंभरी माता की चुनरी यात्रा के संयोजक मूलचंद सैनी व मंजू देवी के नेतृत्व में शाकंभरी माता के भक्तगणों ने किन्नर समाज के लोगों को मां शाकंभरी माता की चुनरी ओढाकर कर सम्मान किया और किन्नर समाज के लोगों से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान एडवोकेट मोतीलाल सैनी, ताराचंद नांगल, रतनलाल सैनी, हिमांशु शर्मा, रमेश सैनी आदि थे।

मनरेगा का नाम बदलने की आड़ में भाजपा गरीबों के हक पर मार रही डाका- चिरंजीव राव

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम बदलकर 'जी राम जी' किए जाने के फैसले के विरोध में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के आह्वान पर आज पूरे देश में एक दिवसीय अनशन किया गया। इसी कड़ी में रेवाड़ी में कांग्रेस पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने मॉडल टाउन स्थित गांधी चौक पर शांतिपूर्ण तरीके से एक दिवसीय अनशन कर केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। अनशन स्थल पर मौजूद रहे अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं रेवाड़ी के पूर्व विधायक ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार के पास नई योजनाएं शुरू करने के अनेक अवसर हैं, लेकिन गरीबों, मजदूरों और ग्रामीण भारत से जुड़ी ऐतिहासिक योजना मनरेगा का नाम बदलना निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि यह केवल नाम बदलने का मामला नहीं है, बल्कि यह गरीबों के संवैधानिक अधिकारों पर सीधा हमला है और साथ ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम, सम्मान और उनके विचारों का भी अपमान है। धरने से पूर्व कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने गांधी चौक स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान 'गांधी जी अमर रहें', 'मनरेगा बचाओ', 'गरीबों के अधिकारों से खिलवाड़ बंद करो' जैसे नारे लगाए गए। चिरंजीव राव ने कहा कि मनरेगा योजना ने ग्रामीण गरीबों को रोजगार, आत्मसम्मान और आर्थिक सुरक्षा दी है, जिसे कमजोर करने की किसी भी कोशिश को कांग्रेस पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी। कांग्रेस की चार स्पष्ट मांगें हैं, काम की गारंटी, मजदूरी की गारंटी और जवाबदेही की गारंटी सुनिश्चित की जाए। मनरेगा में किए गए सभी बदलावों की तत्काल वापसी की जाए। काम के संवैधानिक अधिकार की पूर्ण बहाली की जाए। न्यूनतम मजदूरी ?400 प्रतिदिन निर्धारित की जाए।

इस विरोध प्रदर्शन के दौरान पूर्व मंत्री डॉ. एमएल रंगा, पूर्व मंत्री जगदीश यादव, शहरी जिला अध्यक्ष प्रवीण चौधरी, ग्रामीण जिला अध्यक्ष सुभाष छावड़ी, एससी डिपार्टमेंट के जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार ने चेतावनी दी कि यदि भाजपा सरकार ने इन मांगों को नहीं माना और मनरेगा के नाम व स्वरूप से छेड़छाड़ बंद नहीं की, तो कांग्रेस पार्टी आने वाले समय में विरोध प्रदर्शन को और तेज करेगी, सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी और गांव-गांव जाकर जनता को भाजपा की गरीब-विरोधी नीतियों के खिलाफ जागरूक करेगी। कांग्रेस पार्टी ने स्पष्ट किया कि मनरेगा गरीबों की जीवनरेखा है और इसे कमजोर करने या इसकी पहचान मिटाने की किसी भी साजिश के खिलाफ कांग्रेस पार्टी सड़क से लेकर संसद तक पूरी ताकत से संघर्ष जारी रखेगी।

इस मौके पर पूर्व मंत्री जसवंत यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष दीवान सिंह चौहान, राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के प्रदेश अध्यक्ष अविनाश यादव, भरत सिंह हरचंदपुर, रेवाड़ी महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष सीमा धमीजा, रेखा दहिया सहित कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लोहिया स्कूल में साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत विशेष पीटीएम का सेमिनार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

लोहिया स्कूल में रविवार को 'साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान' के अंतर्गत एक विशेष अभिभावक -शिक्षक बैठक (पीटीएम) का सफल आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को यह समझाना रहा कि ऑनलाइन फ्रॉड क्या है, यह कैसे होता है और इससे सुरक्षित कैसे रहा जा सकता है।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुति देते हुए अभिभावकों को OTP फ्रॉड, फर्जी कॉल फ्रॉड, UPI फ्रॉड, व्हाट्सएप फ्रॉड, क्यू कोड फ्रॉड, ऑनलाइन शॉपिंग फ्रॉड, सोशल मीडिया फ्रॉड तथा ATM एवं कार्ड फ्रॉड जैसी गंभीर समस्याओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों ने सरल भाषा और दैनिक जीवन से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि किस प्रकार साइबर ठग लोगों को लालच या डर दिखाकर आर्थिक नुकसान पहुँचाते हैं और उनसे सतर्क रहकर कैसे बचा जा सकता है। इस अवसर पर बच्चों ने अभिभावकों को महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा कि वे कभी भी किसी अनजान व्यक्ति को OTP, बैंक विवरण या व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें, किसी भी फर्जी लिंक पर क्लिक न करें तथा संदिग्ध कॉल या मैसेज से सतर्क रहें। साथ ही साइबर अपराध की स्थिति में तुरंत संबंधित हेल्पलाइन या प्रशासन से संपर्क करने की सलाह भी दी गई। कार्यक्रम में संस्था के चेयरमैन राम सिंह नेहरा, संस्था निदेशक जगपाल सिंह यादव, चिड़ावा नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय सिंह बडेसरा, प्रधानाचार्या प्रमिला झाझड़िया, प्रिंसिपल प्रमोदिनी दुबे, चेयरपर्सन ममता नेहरा, सचिव प्रदीप नेहरा, पूरणमल गजराज एवं गुलजार खान की गरिमामयी उपस्थिति थी 7 इस पीटीएम को सफल बनाने में पीटीएम प्रभारी विशाल शर्मा, दीपक शर्मा, सुरेश यादव, सुरेश भालोठिया, राजेंद्र भास्कर, सिमरन कविया, अनीता गजराज तथा विद्यालय के समस्त शिक्षकों का विशेष योगदान रहा। अभिभावकों ने विद्यालय द्वारा चलाए गए इस जागरूकता अभियान की मुक्तकंठ से सराहना की और इसे वर्तमान डिजिटल युग की अत्यंत आवश्यकता बताया।

महवा पुलिस ने चाकसू अनाज मंडी चोरी के दो इनामी बदमाश दबोचे

जयपुर दक्षिण डीसीपी द्वारा 5-5 हजार के इनामी अपराधी पुष्पेन्द्र और शिवदयाल (चींटा) गिरफ्तार।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महवा।

मनोज खंडेलवाल । अपराधियों के खिलाफ चल रहे सख्त अभियान को निर्णायक अंजाम तक पहुँचाते हुए महवा पुलिस ने एक और बड़ी कामयाबी दर्ज की है। चाकसू थाना क्षेत्र की अनाज मंडी में हुई सनसनीखेज चोरी की वारदात में वांछित चल रहे जयपुर दक्षिण पुलिस उपायुक्त द्वारा घोषित 5-5 हजार रुपये के दो इनामी बदमाशों को महवा पुलिस ने सटीक रणनीति और मजबूत घेराबंदी के जरिए धर दबोचा है। पकड़े गए आरोपियों में पुष्पेन्द्र मीना निवासी पाली थाना महवा तथा शिवदयाल मीना उर्फ शिवा उर्फ (चींटा) निवासी सायपुर पाखर थाना मंडावर, जिला दौसा शामिल हैं, जो चउोरी और नकबजनी की वारदातों में शातिर अपराधी माने जाते हैं और लंबे समय से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहे थे। महवा वृत्ताधिकारी मनोहरलाल मीना के सुपरविजन में तथा थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार मीना के कुशल नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने पुख्ता सूचना और तकनीकी इनपुट के आधार पर योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए दोनों इनामी बदमाशों को दबोच लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने चाकसू अनाज मंडी में चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है, जिसके बाद से वे लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बचते फिर रहे थे। दोनों पर जयपुर शहर दक्षिण के डीसीपी द्वारा पाँच-पाँच हजार रुपये का इनाम घोषित किया हुआ था, जिससे इनकी गिरफ्तारी पुलिस के लिए बड़ी प्राथमिकता बनी हुई थी।गिरफ्तारी के तुरंत बाद दोनों आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया हेतु पुलिस थाना चाकसू को सुपुर्द कर दिया गया है, जहाँ आगे की गहन पूछताछ और कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी पुष्पेंद्र व शिवदयाल उर्फ चींटा।

चाकसू अनाज मंडी नकबजनी कांड का बड़ा खुलासा।

16 दुकानों के ताले तोड़ने वाले 5-5 हजार के इनामी अपराधी शिवदयाल 'चींटा' और पुष्पेन्द्र 'मटोली' गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चाकसू-दौसा।

चाकसू कृषि उपज मंडी में एक ही रात में 16 दुकानों के ताले तोड़कर नकबजनी की सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने वाले शातिर बदमाश आखिरकार पुलिस के शिकंजे में आ गए। जयपुर दक्षिण पुलिस ने बड़ी और सटीक कार्रवाई करते हुए 5-5 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त शिवदयाल मीना उर्फ चींटा उर्फ शिवा और पुष्पेन्द्र मीना उर्फ मटोली को गिरफ्तार कर लिया। यह वही बदमाश हैं जिन्होंने 24-25 अक्टूबर 2025 की रात मंडी परिसर में सिलसिलेवार दुकानों को निशाना बनाकर व्यापारियों में दहशत फैला दी थी। इस प्रकरण में पहले ही दो सह अभियुक्त अटल बिहारी मीना और महेन्द्र सैनी को गिरफ्तार कर घटना

पुलिस गिरफ्त में नकबजनी के शातिर अपराधी।

में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर और अर्टिगा कार जब्त की जा चुकी हैं, जिससे पूरे गिरोह की साजिश बेनकाब हो चुकी है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज के अनुसार प्रकरण संख्या 388/25 और 389/25 में लगातार गहन अनुसंधान किया जा रहा था। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ललित किशोर शर्मा के सुपरविजन और सहायक पुलिस आयुक्त चाकसू भवानी सिंह के निर्देशन में थानाधिकारी मनोहरलाल के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने वारदात स्थल से लेकर जयपुर, फागी, टोंक, कोटखावदा, तुंगा और चाकसू से बाहर जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और साइबर यूनिट की तकनीकी मदद से आरोपियों की पहचान की। 31 अक्टूबर 2025 को सह अभियुक्तों को दबोचकर सलाखों के पीछे भेजा गया और मुख्य आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई, जिन पर 5-5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

लगातार दबिश, पुख्ता सूचना और स्थानीय महवा पुलिस के सहयोग से टीम ने रविवार को दोनों इनामी बदमाशों को दस्तयाब कर विधिवत गिरफ्तार कर लिया। दोनों से चोरी के माल की बरामदगी को लेकर गहन पूछताछ जारी है और पुलिस को उम्मीद है कि इस गिरोह से जुड़ी अन्य वारदातों के भी खुलासे होंगे। गिरफ्तार अभियुक्त शिवदयाल मीना उर्फ चींटा उर्फ शिवा निवासी सायपुर पाखर थाना मंडावर जिला दौसा तथा पुष्पेन्द्र मीना उर्फ मटोली निवासी पाली थाना महवा जिला दौसा हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार शिवदयाल मीना उर्फ चींटा का आपराधिक इतिहास लंबा रहा है और उस पर दौसा जिले के विभिन्न थानों में चोरी, नकबजनी, अपहरण और मारपीट जैसे मामलों के कुल सात प्रकरण दर्ज हैं, वहीं पुष्पेन्द्र मीना उर्फ मटोली पर भी महवा थाना क्षेत्र में मारपीट और बल प्रयोग से जुड़े दो आपराधिक मामले दर्ज हैं।

राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

श्री भगवानदास तोदी महाविद्यालय में रविवार को राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता आयोजित हुई। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एन.एस. नाथावत ने बताया कि श्रीमती कमला देवी भगवानदास तोदी स्मृति राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का विषय भारत में कृत्रिम बुद्धिमता 'अवसर, चुनौतियां एवं समाधान' था। जिसमे सीकर, चूरू, झुंझुनू, रतनगढ़, लाडनूं, नवलगढ़, सुजानगढ़ तथा लक्ष्मणगढ़ के विभिन्न 18 महाविद्यालयों के कुल 116 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार के रूप में क्रमशः 11000, 7100 व 5100 रूपए तथा वरीयता सूची के अनुसार 20 प्रतिभागियों को 500 रुपए नगद सांत्वना पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।प्रतियोगिता का आयोजन संयोजक महेश कुमार अग्रवाल व सहसंयोजक मनीष देव मील के निर्देशन में संपन्न हुआ जिसमें (ले.) डॉ नरेश कुमार वर्मा,

श्री घनश्याम वर्मा, डॉ पवन कुमार निर्वाण, मोहम्मद फारुक, लक्ष्मण राम मेहरा सहित अन्य स्टाफ सदस्यों ने भी प्रतियोगिता के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।र नेमीवाल, मदनलाल गुडेसर, महेंद्र सिरोवा, सीताराम सिरोवा, हरफूल सिंह, प्रेमचंद लूनिया, विद्याधर बालान सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने रामनिवास भूरिया को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके सामाजिक योगदान की सराहना की और समाजहित में उनके नेतृत्व से सकारात्मक कार्यों की उम्मीद जताई।

उत्तराखंड सेवा समिति नीमराना का भव्य महोत्सव: लोक संस्कृति का अद्भुत संगम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । उत्तराखंड सेवा समिति, नीमराना द्वारा आयोजित एक भव्य महोत्सव का आयोजन होटल टोकस में किया गया, जिसका शुभारंभ गणेश वंदना के साथ हुआ। इस महोत्सव में उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति को दर्शाने वाले विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। महोत्सव में नंदा देवी

डोली, पांडव खेला पारस, जौन्सारी तांदी नृत्य, हास्य नेपाली गीत, बाजूबंदोली, छपेली, चांचरी, हुड़का नृत्य और झोड़ा सहित कई लोकनृत्य व लोकगीत शामिल थे। इस अवसर पर प्रसिद्ध लोकगायक गोपाल मठपाल, दिलीप रावत, प्रीति गुरसाई, आशा नेगी, प्रीति मठपाल और कमल जोशी ने अपनी

सुरीली प्रस्तुतियाँ दीं। संगीतकार नरेंद्र अजनबी ने संगीत संयोजन किया, जबकि कार्यक्रम का निर्देशन लोकगायक गोपाल मठपाल ने किया। महोत्सव में रीको अधिकारी ईश्वर दत्त उपाध्याय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में बहरोड़, कोटपूतली, शाहजहांपुर, घीलोठ, बावल और नीमराना से उत्तराखंडवासी शामिल हुए। पारंपरिक वेशभूषा, लोकगीत और नृत्यों के माध्यम से उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाया गया। आयोजन समिति के पदाधिकारी, जिनमें आशाराम जोशी भी शामिल थे, ने बताया कि महोत्सव का उद्देश्य प्रवासी उत्तराखंडवासियों को अपनी जड़ों से जोड़ना और नई पीढ़ी तक लोकसंस्कृति का संरक्षण व प्रचार करना है। उन्होंने भविष्य में बड़े सांस्कृतिक आयोजनों की योजना भी बताई। यह महोत्सव न केवल उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने का एक मंच था, बल्कि लोगों को अपनी संस्कृति से जुड़ने और उसे आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करने का भी एक महत्वपूर्ण प्रयास था।

अजमेरी रीको एरिया में जरूरतमंदों को सर्दी के गर्म व अन्य कपड़े वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.अजीतगढ।

सुमेर मीणा । स्थानीय संत श्री नारायण दास यूथ मंडल (स्टेट अवॉर्डी) एवं एक दिन गांव के लिए अभियान अजीतगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में संचालित कपड़ा बैंक(वस्त्रालय) द्वारा विभिन्न सहयोगियों द्वारा प्रदान कपड़ों को रविवार को टीम ने अजमेरी के रीको एरिया के पास बस्तियों में वितरित किया गया। मुहिम से जुड़े युवा पूरण प्रजापत, अक्षय कुमावत ने बताया कि टीम को शहर के विभिन्न सहयोगियों द्वारा पुराने सर्दी के गर्म कपड़े, नए कपड़े प्रदान किए गए थे। जिनको रविवार सुबह अजमेरी रीको एरिया में शिविर लगाकर रीको के आसपास की बस्तियों में निवास करने वाले जरूरतमंद परिवारों को वितरित

संत श्री नारायण दास यूथ मंडल एवं एक दिन गांव के लिए अभियान अजीतगढ़ के तत्वावधान में संचालित कपड़ा बैंक(वस्त्रालय)

किया गया। इस दौरान एडवोकेट विक्रम सिंह बांकावत, अनिल सेन, अरुण शर्मा, लक्की प्रजापत धोला समेत अनेक लोग मौजूद थे। अभियान संयोजक चैतन्य मीणा ने बताया कि सर्दी में कोई भी ज़रूरतमंद खुले आसमान के नीचे ठिठुरने को मजबूर न हो। इसके लिए अजीतगढ़ शहर व आसपास में आमजन से पुराने गर्म कपड़े स्वेटर, जैकेट, कोट, गर्म इनर वियर, कंबल, रजाई (सबसे अधिक जरूरत), मोजे, दस्ताने, टोपी उन्हें आप मुहिम के वस्त्रालय (कपड़ा बैंक) में एकत्रित कर रहे है। जिसके तहत तीन संग्रहण केंद्र अपना जनरल स्टोर, गैस एजेंसी के पास अजीतगढ़, अजीतगढ रोडवेज स्टैंड के सामने अजीतगढ़,मुकुल गृह उद्योग मेंन मार्केट अजीतगढ़ बनाए गए है। इसके अतिरिक्त कोई भी व्यक्ति कपड़े देने की सूचना भी दे सकते है। जिसके बाद टीम के युवा संबंधित के घर तक पहुंचकर कपड़े संग्रहित करते है। रविवार को जरूरतमंदों तक कपड़े पहुंचाए, वही नन्हें बच्चों के लिए ऊनी टोपी, ऊनी जुराब आदि दिए गए। इस दौरान अनेक लोगों ने अभियान की सराहना करते हुए युवाओं को साधुवाद दिया।

कच्ची बस्ती के बच्चों को लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने की राहत वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने कच्ची बस्तियों एवं झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले जरूरतमंद परिवारों व नन्हे-मुन्ने बच्चों को राहत सामग्री वितरित की। इस सेवा कार्य में शिव रतन ढंण्ढ द्वारा प्रदत्त गर्म जूते, ऊनी जुराबें, स्वेटर, बच्चों के कपड़े, एवं अन्य आवश्यक राहत सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि वितरण मात्र औपचारिक न होकर, ट्रस्ट के संरक्षकों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने नन्हे बच्चों के पैरों में स्वयं अपने हाथों से जूते पहनाए और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया।गर्म जूते और जुराब पहनते ही बच्चों के चेहरों मुस्कान खिली। कार्यक्रम ट्रस्ट के संरक्षक सुभाष जोशी, प्रकाश पासोरिया, दीनदयाल जोशी, गिरधारी लाल जाजोदिया एवं ठेकेदार फूलचंद बागोरिया के सानिध्य में सम्पन्न

हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि ठेकेदार फूलचंद बागोरिया ने अपने उद्बोधन में ट्रस्ट की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि सच्ची सेवा तो इन्हीं कच्ची बस्तियों में रहने वाले लोगों तक राहत पहुँचाने में है। लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट बार-बार स्वेटर, कंबल, जूते, जुराब एवं भोजन जैसी राहत सामग्री देकर इनके जीवन में आशा की किरण जगा रहा है। यह वास्तव में साधुवाद के योग्य कार्य है।वहीं ट्रस्ट के संरक्षक सुभाष जोशी ने ट्रस्ट की सेवा गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि मलमास के इस पावन समय में शिवरतन ढंण्ढ के सहयोग से जूते, जुराब एवं गर्म कपड़ों का वितरण कर जरूरतमंदों को ठंड से राहत प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि नर को नारायण मानकर की गई सेवा ही सच्ची सेवा है। इस अवसर पर झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले सभी बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों ने ट्रस्ट के सभी संरक्षकों, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को दिल से आशीर्वाद दिया। लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने समाज के सभी सक्षम नागरिकों से भावनात्मक अपील करते हुए कहा कि जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ या किसी भी खुशी के अवसर पर अपनी खुशियाँ कच्ची बस्तियों में रह रहे अपने भाइयों के साथ साझा करें, ताकि उन्हें भी बराबरी और अपनत्व का एहसास हो।साथ ही मकर संक्रांति पर महिलाओं द्वारा दी जाने वाली 14-14 वस्तुओं को अपने परिवार तक सीमित न रखकर जरूरतमंदों में वितरित करने का आग्रह किया गया।कार्यक्रम में ट्रस्ट के प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रभारी कमल कुमावत, बीजू कुमावत, महेश कुमावत, लोकित दईया, रोहित दईया, विवेक तंवर, विष्णु बागड़ी सहित ट्रस्ट के अनेक संरक्षक, पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं लक्ष्मणगढ़ नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

खनन के विरुद्ध 14 दिन भी धरना जारी: 13 को करेंगे तहसील मुख्यालय का करेंगे घेराव

घर घर घूमकर पीले चावल बांटकर करी अपील

भीम प्रज्ञा न्यूज़.गुढ़ागौड़जी (उदयपुरवाटी)।

सुमेर मीणा । ग्राम पंचायत बामलास एवं गुढ़ा बावनी में जारी अवैध खनन के विरुद्ध ग्रामीणों का ठिठुरती ठंड में भी 14 दिन से धरना जारी है। धरने पर जमकर सरकार व प्रशासन विरुद्ध नारेबाजी लगातार जारी है। धरने की अध्यक्षता हरिराम सीथल ने की। इस अवसर पर धरनार्थियों ने तहसील कार्यालय का घेराव की घोषणा की। मंगलवार 13 जनवरी को तहसील कार्यालय पर धरना देंगे और मुख्यमंत्री के नाम पुनः ज्ञापन देंगें। धरना स्थल से मरुसेना फाउंडेशन के एडवोकेट जयन्त मूंड ने कहा कि 14 दिन से धरना जारी है लेकिन प्रशासन कोई सुनवाई नही कर रहा है। इसको लेकर 13 जनवरी को गुढागौड़जी तहसील कार्यालय का घेराव करके सांकेतिक धरना देंगे एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देंगे। इसको लेकर आज हमने बामलास धाम पर धोक देकर पीले चावल अर्पित किए और गुढ़ा बावनी, हुकुमपुरा एवं बामलास में पीले चावल बांटकर रैली का आमंत्रण दिया। इस धरने को प्रदीप यादव बामलास,दारासिंह मेघवंशी ने संबोधित करते हुए कहा कि जिले का खनन प्रशासन व तहसीलदार

माफियाओं के साथ मिला हुआ है। इनकी मिलीभगत से अवैध खनन व ब्लास्टिंग जारी है। सरकार के कानों तक बात पहुंचाने के लिए हमें मजबूरन धरने व प्रदर्शन करने पड़ रहे है। कड़ाके की ठंड में हमारे बुजुर्ग बीमार पड़ रहे है और बच्चों की पढ़ाई में विघ्नन पड़ रहा है। सैकड़ों मकानों व कुवों में करोड़ो का नुकसान हो गया है और सरकार कोई सुनवाई नही कर रही है। इस धरने में कॉमरेड हरिराम सीथल, कैप्टेन विनोद सिंह,नितेश बिजारणियां,लीलाधर मीणा, अब्दुल कायमखानी, भीम आर्मी के पवन मेघवाल,सूबेदार गिरधर सिंह, सवाई सिंह मीणा , सज्जन कुमार, सुरेन्द्र सिंह शेखावत,आकाश मीणा, बाबुलाल मीणा, छोटे लाल मेघवाल,सुरेश खेदड़,पूर्ण सिंह मेघवाल,रोहिताश सोहु,पवन मेघवाल,अमीलाल मेघवाल, जीवनी देवी, शिमला देवी, जीवनी देवी, सिलोचना देवी, सुमन देवी,मनमोहन सिंह,केसरी देवी,छाजू सिंह सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहें।

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत सीआईए फतेहाबाद की बड़ी कार्रवाई: नशीली गोलियों की कॉमर्शियल मात्रा सहित आरोपी काबू

रतिया रोड पर नाकाबंदी के दौरान मोटरसाइकिल सवार युवक से प्रतिबंधित दवाइयों की भारी खेप बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहें ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत सीआईए फतेहाबाद ने नशा तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक युवक को प्रतिबंधित नशीली गोलियों की कॉमर्शियल मात्रा सहित काबू करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। सीआईए फतेहाबाद प्रभारी उपनिरीक्षक वेदपाल ने बताया कि अपराध जांच शाखा को विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई थी कि एक युवक नशीली गोलियों की आपूर्ति के उद्देश्य से रतिया की ओर गया हुआ है। सूचना के आधार पर सीआईए टीम द्वारा रतिया रोड पर नाकाबंदी की गई। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार एक युवक पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा, जिसे तत्परता से पीछा कर काबू कर लिया गया। चंआरोपी की पहचान मलकीत सिंह पुत्र मिठू राम, निवासी गांव

हिजरावां कलां, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई। नियमानुसार तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एनआरएक्स एटिज़ोलम टैबलेट आईपी की 40 गोलियां तथा R& Pregabalin Capsules IP Signore के 75 कैप्सूल बरामद किए गए। इस संबंध में थाना शहर फतेहाबाद में अभियोग संख्या 15 दिनांक 10.01.2026 भारतीय एनडीपीएस एक्ट की धारा 22(ष), 61 व 85 के तहत मामला दर्ज किया गया है। बरामद नशीला पदार्थ एवं मोटरसाइकिल को कब्जा पुलिस में लिया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है तथा नशे की सप्लाई चेन से जुड़े अन्य पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है।

उपाध्यक्ष बनने पर रामनिवास भूरिया का झुंझुनू में भव्य सम्मान समारोह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

मेघवंशीय चेतना संस्थान झुंझुनू के संयोजक रामनिवास भूरिया को राजस्थान की सबसे बड़ी महा पंचायत मानी जाने वाली डॉ. अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी जयपुर (ष्ठड्डस्र) का उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर सर्व समाज एवं विभिन्न संगठनों की ओर से अंबेडकर भवन झुंझुनू में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। वेलफेयर सोसाइटी झुंझुनू के संरक्षक महावीर सानेल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी झुंझुनू एवं सर्व समाज की ओर से नवनियुक्त उपाध्यक्ष रामनिवास भूरिया का माला, साफा एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए

रामनिवास भूरिया ने कहा कि वेलफेयर सोसाइटी द्वारा उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि वे समाज हित के लिए सदैव तत्पर रहेंगे और सोसाइटी से जुड़कर समाजोत्थान के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाएंगे।

कार्यक्रम में डिप्टी सीएमएचओ डॉ. भंवरलाल सर्वा, वेलफेयर सोसाइटी झुंझुनू के अध्यक्ष अमरसिंह धीरज, प्रोफेसर जयलाल सिंह, संपत बारूपाल, इंद्राज सिंह भूरिया, रामनिवास जिनोलिया, हरिराम सोढा, निरंजन आल्हा, तनसुख सानेल, राधेश्याम खारिया, रामस्वरूप सिंह, दयाराम तानेनिया, रामेश्वर लाल वर्मा, ओमप्रकाश भूरिया, सीताराम बास बुडाना, रुघाराम, बद्रीप्रसाद गोरा, भोपाल सिंह बालान, हरिराम पिपरालिया, रामकुमार, रामनिवास हालू, गणपत सिंह, सुभाष, सुखदेव सिरोवा, विद्याधर नेमीवाल, मदनलाल गुडेसर, महेंद्र सिरोवा, सीताराम सिरोवा, हरफूल सिंह, प्रेमचंद लूनिया, विद्याधर बालान सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने रामनिवास भूरिया को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके सामाजिक योगदान की सराहना की और समाजहित में उनके नेतृत्व से सकारात्मक कार्यों की उम्मीद जताई।

मल्यावाला मंदिर के पास पोष बड़ा का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । शहर में टीटेडा के पास मल्यावाला मंदिर के निकट पोष बड़ा का रविवार को आयोजन किया गया। मल्या वाले मंदिर में भगवान के जलेबी व कोफ्ता का सर्वप्रथम भोग लगाया। उसके बाद रहागिरो व आसपास के लोगों को आलू का कोफ्ता व जलेबी का प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवप्रसाद चेजारा, गणेश कुमावत, नरेंद्र चेजारा, भागीरतमल सैनी, राहुल चेजारा ,गजेंद्र सिंह शेखावत, गोपी, रामकरण गढ़वाल, बसंत, लोकेश, अनिल जांगिड़, किशोर कुमावत, भरत सिंह समेत महेश आदि थे।

विराट हिंदू सम्मेलन की आयोजन समिति का हुआ गठन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

कस्बे में विराट हिंदू सम्मेलन के आयोजन को लेकर स्थानीय तुलस्यान धर्मशाला में बड़ी बैठक का आयोजन किया गया जिसमें हिन्दू सम्मेलन के आयोजन को लेकर विचार विमर्श किया गया और आयोजन समिति का गठन किया गया। जिसमें संरक्षक विश्वनाथ अग्रवाल, अध्यक्ष चयन सिंह, सचिव गजानंद कुमावत, कोषाध्यक्ष संजय सुरोलिया, सह कोषाध्यक्ष भवानी शंकर शर्मा, उपाध्यक्ष डॉ शिव कुमार सैनी, सुधीर गुप्ता व ज्योति भारद्वाज संयुक्त सचिव विद्याधर सैनी, राजेंद्र कुमावत सहित रामचंद्र अग्रवाल, रामानंद नायक, सत्यनारायण जयदिया, निखिल शर्मा, नंदकिशोर कैलाश नगेंद्र सिंह, अक्षय नायक, रविंद्र सैनी, अश्विनी कुमार, राकेश राजोरिया, कालीचरण गुप्ता, विजेश कुमावत ऋषभ सुमित्रा कुमावत आदि 51 सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारियां दी गई।

वरिष्ठ समाजजन सम्मान समारोह: वरिष्ठ समाज बंधु युवाओं का मार्गदर्शन करें- जे.पी. विमल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.अजमेर।

बलाई महासभा अजमेर के तत्वावधान में 10 जनवरी को स्थानीय बाबा रामदेव मंदिर, पाल बीचला परिसर में बलाई समाज के 70 से 80 वर्ष आयु वर्ग के वरिष्ठ समाज बंधुओं का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में समाज के 51 वरिष्ठजनों को सम्मानित किया गया, जिससे कार्यक्रम गरिमा, प्रेरणा और सामाजिक चेतना का सशक्त उदाहरण बना। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व आईएएस अधिकारी श्री जे.पी. विमल ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि समाज के प्रबुद्ध और अनुभवी वरिष्ठजनों का दायित्व है कि वे युवाओं को सही दिशा और मार्गदर्शन प्रदान करें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि सरकारी नौकरी ही रोजगार का एकमात्र साधन नहीं है। वर्तमान परिस्थितियों में निजी क्षेत्र और स्वरोजगार के अवसरों की ओर भी गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के नाम पर जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष व्यर्थ नहीं गंवाने चाहिए। तीस वर्ष से अधिक उम्र के ऐसे युवा जो लगातार बेरोजगार रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लगे हैं, उन्हें सही समय पर सही मार्गदर्शन की आवश्यकता है। कार्यक्रम का शुभारंभ लोक देवता बाबा रामदेव जी महाराज की प्रतिमा पर पुजारी श्री हेमादास महाराज के सान्निध्य में मुख्य अतिथि द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इसके पश्चात बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीर पर

माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। विशिष्ट अतिथि डॉ. गुलाब चन्द जिन्दल ने कहा कि 70 वर्ष से अधिक आयु के जिन वरिष्ठ समाज बंधुओं का सम्मान किया गया है, वे बाबा साहेब डॉ. आंबेडकर द्वारा संविधान में प्रदत्त आरक्षण एवं अधिकारों का लाभ प्राप्त करने वाली पहली पीढ़ी हैं। उन्होंने बताया कि अजमेर में बलाई समाज के अधिकांश लोग रेलवे, केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की सेवाओं में रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप समाज में शिक्षा, जागरूकता और रहन-सहन के स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

श्री गजानंद सरावता ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हमारे बुजुर्गों ने डॉ. आंबेडकर द्वारा दिए गए संवैधानिक प्रावधानों का लाभ लेकर समाज को मजबूत आधार प्रदान किया है। अब समय है कि समाज राजनीति के क्षेत्र में भी आगे बढ़े। आगामी निकाय चुनावों में समाज का अधिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए सभी को सहयोगात्मक भूमिका निभानी चाहिए। विशिष्ट अतिथि इंजी. आर.डी. वर्मा, इंजी. गिरधारी लाल मंडार, मूलचन्द भाटिया, राजकुमार तंवर, रामलाल माहायच एवं यादराम सूटवाल ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए वरिष्ठजनों के योगदान को समाज के लिए अमूल्य बताया।

51 वरिष्ठ समाज बंधुओं का सम्मान

समारोह में 70 से 80 वर्ष आयु वर्ग के 51 वरिष्ठ समाज बंधुओं को मोतियों की माला, साफा, शॉल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान मुख्य अतिथि श्री जे.पी. विमल, डॉ. गुलाब चन्द जिन्दल, इंजी. गिरधारी लाल मंडार, इंजी. आर.डी. वर्मा, महासभा अध्यक्ष श्री सुभाष डोई एवं श्री राजकुमार तंवर द्वारा प्रदान किया गया। सम्मान प्राप्त करते समय सभी वरिष्ठ समाज बंधु प्रसन्नचित्त एवं गौरवान्वित दिखाई दिए। समारोह की अध्यक्षता बलाई महासभा अजमेर के अध्यक्ष सुभाष डोई ने की। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ समाज बंधु हमारी प्रेरणा हैं और उनके अनुभवों से समाज को निरंतर सीख मिलती है। आज उनका सम्मान करते हुए हम सभी गर्व का अनुभव कर रहे हैं। महामंत्री लक्ष्मी नारायण तंवर ने स्वागत उद्बोधन देते हुए समारोह की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बलाई महासभा द्वारा पूर्व में 80 वर्ष से अधिक आयु के महिला एवं पुरुष वरिष्ठजनों के लिए भी अलग-अलग सम्मान समारोह आयोजित किए जा चुके हैं। बुद्ध ज्योति विहार, अजमेर के सौजन्य से वरिष्ठ समाज बंधुओं को चक्रवर्ती सम्राट अशोक का बहुरंगी कैलेंडर एवं जनवरी माह का 'बुद्ध ज्योति मासिक बुलेटिन' सप्रेम भेंट किया गया।

अजमेर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष का सम्मान

इस अवसर पर बलाई महासभा द्वारा अजमेर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. राजकुमार जयपाल का भी स्वागत किया गया। महासभा अध्यक्ष सुभाष डोई एवं पदाधिकारियों ने माल्यार्पण, शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया। डॉ. जयपाल ने कहा कि वे समाज के सुख-दुख में सदैव साथ हैं और आगामी निकाय चुनावों सहित राजनीतिक क्षेत्र में यथासंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

वाटर कूलर भेंट की घोषणा

समारोह में वरिष्ठ समाज बंधु श्री धन्नालाल गुणगुणावत ने अपने जन्मदिन के अवसर पर मंदिर परिसर में एक वाटर कूलर भेंट करने की घोषणा की, जिसका उपस्थित जनसमूह ने तालियों से स्वागत किया। अन्य समाज बंधुओं ने भी आर्थिक सहयोग प्रदान किया। बलाई महासभा अजमेर की ओर से सभी आगंतुकों को अल्पाहार वितरित किया गया। समारोह का संचालन श्री लक्ष्मी नारायण नारनोलिया ने किया। उत्कृष्ट संचालन के लिए मुख्य अतिथि द्वारा उन्हें माला पहनाकर सम्मानित किया गया। समारोह की सफल व्यवस्थाओं का श्रेय सरवेला पंचायत कोषाध्यक्ष राजकुमार तंवर, लक्ष्मी नारायण नारनोलिया, लक्ष्मी नारायण तंवर, कोषाध्यक्ष सुरेश पंवार, यादराम सूटवाल, हेमादास महाराज, खुशी राम तंवर, हुकम चन्द कालोया, रविन्द्र ढोलीवाल सहित अन्य समाज बंधुओं को दिया गया।

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत थाना शहर टोहाना पुलिस की कार्रवाई, हेरोइन सहित आरोपी काबू

दमकौरा रोड क्षेत्र में नाकाबंदी के दौरान युवक के कब्जे से नशीला पदार्थ बरामद

आरोपी आदतन अपराधी, पहले से दर्ज हैं 05 मामले थाना शहर टोहाना में

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत थाना शहर टोहाना पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक युवक को हेरोइन सहित काबू किया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस को विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई थी कि दमकौरा रोड क्षेत्र में एक युवक नशीले पदार्थ की तस्करी में संलिप्त है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा मौके पर नाकाबंदी की गई। इसी दौरान युवक पुलिस वाहन को देखकर घबरा गया और भागने का प्रयास करने लगा, जिसे तत्परता से काबू कर लिया गया। आरोपी की पहचान राहुल पुत्र सुभाष, निवासी वार्ड नंबर 11, किल्ला मोहल्ला, टोहाना के रूप में हुई। नियमानुसार की गई तलाशी के दौरान आरोपी की जेब से एक पारदर्शी पाउच में 5.31 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। बरामद नशीले पदार्थ को नियमानुसार सील कर कब्जा पुलिस में लिया गया। आरोपी के रिकॉर्ड अवलोकन से ज्ञात हुआ कि वह आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ पहले से ही थाना शहर टोहाना में 05 मामले दर्ज हैं। इस संबंध में थाना शहर टोहाना में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21-बी, 61 व 85 के तहत अभियोग संख्या 19 दिनांक 10.01.2026 दर्ज किया गया है। मामले में आगामी जांच जारी है तथा नशा तस्करी से जुड़े अन्य संपर्कों और नेटवर्क की भी गहनता से पड़ताल की जा रही है।

मेघवाल समाज बीकानेर की नई जिला कार्यकारिणी ने ली शपथ, सामाजिक सुधार और संविधान मूल्यों के लिए संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राजस्थान मेघवाल समाज संस्था की बीकानेर जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह करणी नगर स्थित मेघवाल समाज भवन में भव्य और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में संस्था के प्रदेश अध्यक्ष सांगीलाल मेघवाल के सान्निध्य में 20 नवनियुक्त पदाधिकारियों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर समाज सेवा का संकल्प लिया।

संविधान और सामाजिक उत्थान पर जोर

कार्यक्रम में सभी नवनियुक्त सदस्यों ने भारतीय संविधान की मर्यादा और विधि के अनुरूप कार्य करने, समाज को संगठित करने तथा वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित रहने का संकल्प दोहराया। प्रदेश अध्यक्ष सांगीलाल मेघवाल ने जिला कार्यकारिणी को बधाई देते हुए कहा कि संगठन की मजबूती से ही समाज में समानता, न्याय और बंधुत्व के मूल्यों को सशक्त किया जा सकता है। प्रदेश सचिव सोहनलाल मेघवाल ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को आत्मसात करते हुए शिक्षा और संगठन को समाज की प्रगति का आधार बताया।

युवाओं को शिक्षा, स्टार्टअप और उद्यमिता का संदेश

समारोह के मुख्य वक्ता 'भीम प्रज्ञा' दैनिक समाचार पत्र के संपादक हरेश पंवार ने सामाजिक जागृति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और युवाओं को एंटरप्रेन्योरशिप व स्टार्टअप की ओर अग्रसर होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केवल सरकारी नौकरियों पर निर्भर रहना आज के समय में पर्याप्त नहीं है। समाज को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उद्योग-धंधों और नवाचार को अपनाना होगा। उन्होंने सामाजिक कुरीतियों पर चिंता जताते हुए कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दबाव में विवाह की आयु बढ़ना और पारिवारिक असंतुलन समाज के लिए गंभीर विषय बनता जा रहा है। राजनीति में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं से उन्होंने सुनियोजित तैयारी और स्पष्ट विजन के साथ आगे आने की अपील की।

गरिमामय उपस्थिति और संचालन

कार्यक्रम का मंच संचालन राजस्थान शिक्षा संघ (अंबेडकर) के जिला अध्यक्ष बृजेश कुमार पवार ने किया। समारोह में समाज के अनेक जनप्रतिनिधि, सरपंच, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्यजन उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष त्रिलोक चंद जयपाल, अम्बाराम

इणखिया, रामदेव कोलासर, झवर पन्नू, जेठाराम पटवारी, दुलीचंद बौद्ध, केसाराम, रामूराम मेघवाल, हरजीराम मेघवाल, अर्जुन राम मेघवाल, भैया राम मेघवाल, गोपाराम मेघवाल, पी.आर. लील, राजेश जनागल, सुनील जनागल, गिरधारी लाल मेघवाल, प्रकाश भाटी, कैलाश चंदेल, सम्पत लाल कांटिया, प्रहलाद मेघवाल, गोपीचंद लंगा, बाबूलाल जल, मगनलाल पवार, रेखा राम मेघवाल, किशनलाल गोविंदसर और विकास मेघवाल सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहें।

नई कार्यकारिणी का संकल्प

बीकानेर जिला अध्यक्ष त्रिलोक जयपाल और उनकी टीम ने संकल्प लिया कि वे समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने तथा कुरीतियों के विरुद्ध निरंतर अभियान चलाएंगे। समारोह के अंत में सभी आगंतुकों का आभार प्रकट किया गया। यह आयोजन न केवल संगठनात्मक मजबूती का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक चेतना, एकजुटता और संविधान आधारित मूल्यों को आगे बढ़ाने का प्रेरक संदेश भी दे गया।

एकजुटता और कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष का आह्वान

वरिष्ठ पत्रकार सोहनलाल परिहार ने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक समाज एक मंच पर संगठित नहीं होगा, तब तक वास्तविक प्रगति संभव नहीं है। उन्होंने मृत्यु भोज जैसी कुरीतियों को समाप्त करने और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की विचारधारा के अनुरूप शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया।

सावित्री बाई फुले के 195वें जन्मदिवस पर नारनौल में जनसभा आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नारनौल।

सावित्री बाई फुले के 195वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सावित्री बाई ज्योति बा फुले फाउंडेशन की ओर से डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन, मालवीय नगर नारनौल में एक जनसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनीता यादव, सुपरवाइजर महिला एवं बाल विकास विभाग ने की, जबकि मंच संचालन मुकेश कुमारी डालनवास द्वारा किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में अनीता यादव ने कहा कि सावित्री बाई फुले ने समाज निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उन्होंने सती प्रथा जैसी कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष किया, बाल विवाह रोकने के प्रयास किए और शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि सावित्री बाई फुले ने समाज में फैली महामारी के खिलाफ सेवा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। आज उनके सपनों को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने चिंता

व्यक्त करते हुए कहा कि जहां सावित्री बाई फुले ने निःशुल्क शिक्षा की अलख जगाई, वहीं आज शिक्षा को व्यवसाय बना दिया गया है, जिससे मेहनतकश वर्ग के लोगों की पहुंच से बाहर होती जा रही है। इलाज के अभाव में असमय मृत्यु की घटनाएं बढ़ रही हैं।कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। तनिष्क और सिवानी ने अपनी स्वरचित कविता से सभी का मन मोह लिया। रिया और सिद्धार्थ ने सावित्री बाई फुले पर आधारित गीत प्रस्तुत किया। कमल सिंह माहायच ने सावित्री बाई फुले पर रचित रागनी गाकर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य वक्ता कामरेड सुभाष चंद्र एडवोकेट ने कहा कि सावित्री बाई फुले ने नारी उत्थान में अतुलनीय योगदान दिया। आज की सरकारें नारी को केवल प्रचार-प्रसार में नग्न दिखाकर उपभोग की वस्तु बना रही हैं। उन्होंने कहा कि देश इक्कीसवीं सदी में प्रवेश करने का दावा करता है, लेकिन हकीकत यह है कि आज दूध पीती बच्ची से लेकर 70 वर्षीय महिला तक सुरक्षित नहीं है। सभा को प्रकाश सिंह डालनवास और खुशवंत ने भी संबोधित करते हुए समाज में सावित्री बाई फुले के जीवन, संघर्ष और विचारों पर प्रकाश डाला। वहीं कर्षण तोबड़ा तथा मनजीत यादव, पूर्व प्रधान बार एसोसिएशन ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए सामाजिक चेतना और समानता पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थितजनों ने सावित्री बाई फुले के विचारों को आत्मसात कर समाज में शिक्षा, समानता और महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

व्हाट्सएप यूजर्स के लिए नया साइबर खतरा, बिना ओटीपी अकाउंट हो सकता है हैक

'घोस्ट पेयरिंग' ट्रिक से ठग ले रहे हैं अकाउंट का पूरा कंट्रोल, पुलिस की सख्त चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने आमजन को व्हाट्सएप पर सक्रिय एक नए और गंभीर साइबर फ्रॉड के प्रति सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने बताया कि भारतीय साइबर सुरक्षा एजेंसी द्वारा 'घोस्ट पेयरिंग' नामक एक खतरनाक हैकिंग कैंपेन को लेकर चेतावनी जारी की गई है, जिसमें साइबर अपराधी बिना पासवर्ड, ओटीपी या सिम स्वैप के ही व्हाट्सएप अकाउंट को अपने कब्जे में ले लेते हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस साइबर ठगी में अपराधी किसी परिचित कॉन्टैक्ट के नाम से व्हाट्सएप पर एक संदिग्ध लिंक भेजते हैं, जैसे 'हाय, यह फोटो देखो', या 'देखो यह फोटो'। जैसे ही यूजर इस लिंक पर क्लिक करता है, एक फर्जी फेसबुक या मीडिया व्यूअर पेज खुलता है, जो वेरिफिकेशन के बहाने मोबाइल नंबर डालने को कहता है। नंबर डालते ही हैकर्स व्हाट्सएप के 'फ़ोन नंबर के ज़रिए लिंक किए गए डिवाइस' फीचर का गलत इस्तेमाल कर अकाउंट को अपने डिवाइस से जोड़ लेते हैं। सिद्धांत जैन ने बताया कि इस तरीके से ठग बैकग्राउंड में छिपकर यूजर के पुराने मैसेज पढ़ सकते हैं, रीयल-टाइम चैट देख सकते हैं और यूजर की ओर से उसके कॉन्टैक्ट्स को फोटो, वीडियो या मैसेज भेज सकते हैं। इससे न केवल निजता भंग होती है, बल्कि ठगी का दायरा तेजी से फैलता है।

पुलिस अधीक्षक ने सलाह दी कि आमजन किसी भी अनजान या संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और किसी बाहरी वेबसाइट पर अपना मोबाइल नंबर, ओटीपी या निजी जानकारी दर्ज न करें। व्हाट्सएप सेटिंग्स में जाकर नियमित रूप से 'लिंक्ड डिवाइस' सेक्शन चेक करें और यदि कोई अनजान डिवाइस जुड़ा दिखे तो तुरंत उसे लॉगआउट करें। अतिरिक्त सुरक्षा के लिए 'दो-चरणीय सत्यापन' को हमेशा ऑन रखें। उन्होंने कहा कि यदि किसी को संदेह हो कि उसका अकाउंट हैक हो गया है, तो तुरंत इंटरनेट बंद करें, व्हाट्सएप सेटिंग्स चेक करें और आवश्यक सुरक्षा कदम उठाएं। किसी भी साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें या ष्4इ्रद्गह्ष्ह्लद्बद्वद्ग.द्दश1.द्बठ्ठ, पर शिकायत दर्ज कराएं। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा कि साइबर अपराधी छोटी सी लापरवाही का फायदा उठाते हैं। इसलिए सतर्क रहें, जागरूक रहें और इस चेतावनी को अपने परिवार व मित्रों के साथ साझा करें।

डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस को मिली पहली जीत, दिल्ली कैपिटल्स को हराया

नवी मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस (एमआई) ने यहां महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट मुकाबले (डब्ल्यूपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स को 50 रनो से हराकर अच्छी वापसी की है। मुंबई इंडियंस इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अपने पहले ही मैच में हार गयी थी। इस मैच में जीत से टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है जबकि दिल्ली कैपिटल्स अपना दूसरा मुकाबाल जीतकर सबसे नीचे है। मुंबई इंडियंस की टीम ने कैपिटल्स के खिलाफ 4 विकेट के नुकसान पर 195 रन बनाए। अमेलिया केर अपना खाता भी नहीं खोल पायी। जी कमलिनी ने नैट साइवर-ब्रंट के साथ 32 गेंदों में 49 रन की बनाकर टीम को संभाला। कमलिनी 16 रन बनाकर पेवेलियन लौट। , इसके बाद साइवर-ब्रंट ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ तीसरे विकेट के लिए 66 रन बनाकर टीम को 117 रन तक पहुंचाया। साइवर-ब्रंट ने 70 रन बनाये। हरमनप्रीत ने नाबाद 74 रन जबकि निकोला ने 21 रन बनाये।

कैपिटल्स की ओर से नंदिनी शर्मा ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले, जबकि चिनेल हेनरी और श्री चरणी ने 1-1 विकेट हासिल किए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स की टीम 19 ओवरों में 145 रन ही बना पायी। टीम ने लिजेली ली का विकेट शुरुआत में ही खो दिया। ली ने 10 रन बनाये। इसके बाद शेफाली वर्मा ने भी केवल 8 रन बनाकर ही आउट हो गयीं। चिनेल हेनरी ने निकी प्रसाद के साथ छठे विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने का प्रयास किया पर असफल रहीं। चिनेल हेनरी ने सबसे अधिक 56 रन बनाए, जबकि निकी प्रसाद ने 12 रन की बनाये। मुम्बई की ओर से निकोला कैरी और अमेलिया केर ने 3-3 विकेट।

मलेशिया ओपनः वर्ल्ड नंबर 1 शी चोट के कारण बाहर, थाईलैंड के विटिडसर्न बने चैंपियन

कुआलालम्पुर (एजेंसी)। चीन के वर्ल्ड नंबर 1 शी यूकी रविवार को थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न के खिलाफ मलेशिया ओपन फाइनल के दौरान पीठ की चोट के कारण रिटायर हो गए। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन शी दर्द में खेल रहे थे, लेकिन पहला गेम 21-23 से हारने के बाद उन्होंने मैच छोड़ दिया। मैच के बाद उन्होंने कुनलावुत की तारीफ की।

उन्होंने कहा, 'कुनलावुत हमेशा से बहुत मजबूत खिलाड़ी रहे हैं और अभी दुनिया के टॉप खिलाड़ियों में से एक हैं। उनके खिलाफ खेलना हमेशा एक सीखने वाला अनुभव होता है, खासकर इस तरह के फाइनल स्टेज पर।' महिला सिंगल्स फाइनल में, दक्षिण कोरिया की ओलंपिक चैंपियन एन से-यंग ने चीन की वांग झेई को 21-15, 24-22 से हराया।

वांग ने कहा कि दूसरे गेम में उनके पास मैच पलटने के मौके थे, लेकिन अहम पलों में वह चूक गईं। उन्होंने कहा, 'जब मैं पिछड़ रही थी, तो मुझे बेहतर टैक्टिकल जवाब देने चाहिए थे। मुझे उम्मीद है कि अगली बार मैं बेहतर प्रदर्शन करूंगी।' चीन ने लियू शेंगशु और टैन निंग, और फेंग यानझे और हुआंग डोंगपिंग के जरिए महिला डबल्स और मिक्स्ड डबल्स के खिताब जीते। लियू और टैन ने महिला डबल्स फाइनल में दक्षिण कोरिया की बाएक हा-ना और ली सो-ही को 21-18, 21-12 से हराया, जबकि फेंग और हुआंग ने मिक्स्ड डबल्स फाइनल में अपने ही देश के जियांग झेनबांग और वेई याक्सिन को 21-19, 21-19 से हराया। पुरुष डबल्स में, दक्षिण कोरिया के किम वोन हो और सियो सेउंग जे ने मलेशिया के आरोन चिया टेंग फोंग और सोह वूई यिक को 21-15, 12-21, 21-18 से हराया।

52 साल के हुए द्रविड़ को जन्मदिन पर मिली बधाइयां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के भरोसेमंद बल्लेबाज राहुल द्रविड़ रविवार 11 जनवरी को 52 साल पूरे हो गए। द्रविड को इस अवसर पर क्रिकेट जगत के साथ ही प्रशंसकों ने भी शुभकामनाएं दी हैं। खेल हस्तियों और संगठनों ने उनके खेल करियर की उपलब्धियों, भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान और उनके शांत स्वभाव की प्रशंसा की है।

द्रविड़ अपनी शानदार बल्लेबाजी के कारण कठिन हालातों में भी भारतीय टीम की ढ़ाल बनकर सामने आये। वह टीम के कप्तान भी रहे। वह हमेशा ही एक शांत क्रिकेटर रहे। खेल से संन्यास के बाद कोच और कमेंटेटर के तौर पर भी वह खासे सफल रहे। आईपीएल में भी वह कई टीमों से जुड़े रहे हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार द्रविड़ अपने शुरुआती दिनों में क्रिकेट नहीं बल्कि हॉकी पसंद करते थे। प्लेयर बनने का था. वह स्कूल में हॉकी खेला करते थे। स्कूल टीम में वह सेंटर-हाफ के तौर पर खेलते थे। द्रविड़ राज्य की जूनियर टीम में भी रहे थे। एक दिन कोच ने अचानक ही उन्हें सेंटर-हाफ से हटाकर राइट-हाफ में खेलने भेज दिया। तब उन्हें लगा कि उनके खेल का स्तर अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, ÷हॉकी टीम में पोजीशन बदलने के बाद मेरे पास क्रिकेट में जाने का विकल्प था।.÷ इसी कारण उनका ध्यान क्रिकेट की ओर आ गया। इसके बाद उन्हें हॉकी से ज्यादा क्रिकेट में आनंद आने लगा और वह क्रिकेट में ही रम गये। जूनियर लेवल पर धीरे-धीरे उनकी पहचान बनने लगी। इसी दौरान नाम कोच केकी तारापोर की उनकी प्रतिभा का पहचाना और यहीं से उनका खेल में आगे बढ़ने का सफर शुरु हो गया। उन्हें 1990 में पहली बार कर्नाटक राज्य टीम में शामिल किया गया। घरेलू क्रिकेट में डेब्यू के बाद द्रविड़ को छह साल बाद भारतीय टीम में जगह मिल गयी। द्रविड़ ने अप्रैल, 1996 में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय में डेब्यू का मौका मिला। जिसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। द्रविड़ ने भारतीय टीम के दिग्गज खिलाड़ियों में जगह बनाने के साथ ही भारत के लिए 164 टेस्ट, 344 एकदिवसीय और 1 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलते हुए 52.31 की औसत से 13288 रन बनाए। उन्होंने 63 अर्धशतक और 36 शतक लगाये। टेस्ट में द्रविड़ के नाम 5 दोहरे शतक भी है। वहीं एकदिवसीय में द्रविड़ ने 10889 रन बनाए हैं। इस फॉर्मेट में उनके नाम 83 अर्धशतक और 12 शतक है। उनके खेल की सबसे बड़ी खूबी ये रही कि वह एक भरोसेमंद बल्लेबाज रहे हैं जब भी टीम संकटों में घिरी द्रविड़ ने उसे संभाला। कई शीर्ष गेंदबाज भी उनके सामने विफल रहे। इसी कारण उन्हें भारत की दीवार भी कहा जाता रहा है।

एशेज ट्रॉफी की कीमत सिर्फ 7.99 पाउंडः क्यों सबसे खास है क्रिकेट की यह जंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिडनी में इंग्लैंड को हराकर ऑस्ट्रेलिया ने एक बार फिर एशेज पर कब्जा बरकरार रखा और क्रिकेट की सबसे पुरानी व प्रतिष्ठित प्रतिद्वंद्विता को नया अध्याय दे दिया। एशेज को सिर्फ एक द्विपक्षीय सीरीज़ कहना इसकी महत्ता को कम करके आंकना होगा। यह मुकाबला डेढ़ सौ साल से भी अधिक पुरानी परंपरा, राष्ट्रीय सम्मान और खिलाड़ियों की शारीरिक व मानसिक सहनशक्ति की अंतिम परीक्षा माना जाता है। हैरानी की बात यह है कि जिस ट्रॉफी के लिए इतनी कड़ी जंग होती है, उसकी वास्तविक कीमत महज़ 7.99 पाउंड, यानी लगभग 968 रुपये आंकी गई है, फिर भी इसकी प्रतिष्ठा किसी विश्व कप या आईसीसी ट्रॉफी से कम नहीं मानी जाती।

एशेज ट्रॉफी दरअसल एक छोटा सा कलश है, जिसे 1882 में इंग्लैंड की ऑस्ट्रेलिया से ऐतिहासिक हार के बाद प्रतीकात्मक रूप से बनाया गया था। मान्यता है कि इसमें जली हुई बेल्स की राख रखी गई है। आज विजेता टीम को जो ट्रॉफी सौंपी जाती है, वह मूल कप प्रतिकृति होती है, जबकि असली कलश लंदन के लॉर्ड्स म्यूज़ियम में सुरक्षित है। क्रिकेट इतिहासकारों और बोर्ड से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इसकी भौतिक कीमत बेहद मामूली है, लेकिन इसका भावनात्मक और ऐतिहासिक मूल्य अनमोल है।

इस बात का दिलचस्प खुलासा इंग्लैंड के महान तेज़ गेंदबाज़ जिमी एंडरसन ने अपनी आत्मकथा ÷फाइंडिंग दा ऐज÷ में किया है। एंडरसन ने 2009 की एशेज जीत के बाद का एक किस्सा साझा करते हुए बताया कि जश्न के दौरान जब वे और ग्रैम स्वान ट्रॉफी थामे हुए थे, तो उन्हें उसके नीचे कुछ चिपका हुआ महसूस हुआ। ट्रॉफी को पलटने पर पता चला कि उस पर अब भी प्राइज़ टैग लगा था, जिस पर 7.99 पाउंड लिखा हुआ था। जल्दबाज़ी में टैग हटाना तक भूल जाना इस बात का प्रतीक था कि एशेज जीतने की खुशी में खिलाड़ी हर छोटी-बड़ी चीज़ से बेखबर हो जाते हैं।

एशेज ट्रॉफी की कम कीमत अक्सर लोगों को चौंकाती है, लेकिन यही इसकी खूबी भी है। इस ट्रॉफी के लिए खिलाड़ी अपना करियर, शरीर और मानसिक संतुलन तक दांव पर लगा देते हैं। महीनों की थकान, चोटों का दर्द और अपार दबाव झेलने के बाद इसे जीतना ही असली पुरस्कार है। यही कारण है कि 7.99 पाउंड की यह ट्रॉफी भावनात्मक और ऐतिहासिक मायनों में क्रिकेट की सबसे महंगी और सबसे कठिन उपलब्धि मानी जाती है।

टॉप सीड एलिना स्वितोलिना ने ऑकलैंड का खिताब जीता

वेलिंगटन। टॉप-सीड एलिना स्वितोलिना ने रविवार को अपना 19वां WTA खिताब जीता, उन्होंने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में ACB क्लासिक फाइनल में चीन की वांग शिन्यू को 6-3, 7-6(8) से हराया। 31 साल की यूक्रेनी खिलाड़ी ने सभी चार ब्रेक पॉइंट बचाए, पहले सर्व के 74 प्रतिशत पॉइंट जीते, और मैच का एकमात्र ब्रेक 4-2 पर वांग की सर्विस तोड़कर हासिल किया, जिसके बाद उन्होंने दूसरे सेट का टाईब्रेक जीता। स्वितोलिना ने 2025 के आखिर में चोट के कारण चार मैचों की हार का सिलसिला खत्म करते हुए WTA 250 इवेंट में लगातार पांच मैच जीते। एक घंटे और 42 मिनट तक चले मैच के बाद कोर्ट पर स्वितोलिना ने कहा, 'एक और खिताब जीतना वाकई बहुत अच्छा लग रहा है, खासकर मेरे लिए साल के बहुत अच्छे अंत के बाद।' सातवीं वरीयता प्राप्त 24 साल की वांग ने शनिवार को सेमीफाइनल में फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला को हराकर अपने करियर का दूसरा फाइनल खेला। वह इससे पहले पिछले जून में बर्लिन में घास के कोर्ट पर WTA फाइनल में पहुंची थीं, जहां उन्हें चेक खिलाड़ी मार्केटा वोंद्रोसोवा से हार का सामना करना पड़ा था।

फीफा विश्व कप ट्रॉफी दिल्ली पहुंची, वर्ल्ड टूर के तहत तीन दिन भारत में रहेगी

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 की असली ट्रॉफी शनिवार को अपने वर्ल्ड टूर के तहत भारत पहुंची, जो यहां तीन दिनों तक रहेगी। इस दौरान यह ट्रॉफी दो दिनों तक दिल्ली में रहेगी और उसके बाद इसे असम के गुवाहाटी ले जाया जाएगा। फीफा विश्व कप की शुरुआत 11 जून को होगी। विश्व कप ट्रॉफी लगभग 12 साल के बाद भारत आई है। इस ट्रॉफी टूर का आयोजन वैश्विक पेय कंपनी कोका-कोला कर रही है, जो फीफा विश्व कप की आधिकारिक भागीदार है। यहां आयोजित एक समारोह में ब्राजील के पूर्व विश्व कप विजेता खिलाड़ी और फीफा दिग्गज गिलबर्टो सिल्वा तथा केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया की उपस्थिति में इस असली ट्रॉफी का अनावरण किया गया। इस अवसर पर मंडाविया ने कहा कि यह ट्रॉफी देश के युवाओं को फुटबॉल के खेल के प्रति प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में खेल एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बनकर उभरा है। हम एक दशक के भीतर, यानी 2036 तक भारत को दुनिया के शीर्ष दस खेल राष्ट्रों में शामिल करने के लिए काम कर रहे हैं। कोका-कोला इंडिया और दक्षिण पश्चिम एशिया के अध्यक्ष संकेत रे ने कहा कि खेल राष्ट्र निर्माण का एक बहुत मजबूत और शक्तिशाली स्तंभ बनकर उभरा है। उन्होंने कहा, इसकी वजह विकसित भारत 2047 के साथ निकटता से जुड़ी है, जहां युवा भारत विश्व मंच पर नेतृत्व करने, प्रतिस्पर्धा करने और उत्कृष्टता हासिल करने के लिए तैयार है। फीफा विश्व कप के साथ कोका-कोला का जुड़ाव खेलों और युवाओं पर इस राष्ट्रीय ध्यान को साकार करता है। उन्होंने बताया कि कोका-कोला 1978 से फीफा विश्व कप का आधिकारिक भागीदार रहा है और दुनिया भर में नियमित रूप से इसका प्रचार कर रहा है।

विराट कोहली सबसे तेज 28000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने, सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा

वडोदरा। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के दौरान इंटरनेशनल क्रिकेट में सभी फॉर्मेट में 28,000 रन बनाने वाले सबसे तेज खिलाड़ी बन गए और सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। अपने 624वें इनिंग में खेलते हुए कोहली ने न्यूजीलैंड के लेग-स्पिनर आदित्य अशोक की गेंद पर चौका लगाकर यह मुकाम हासिल किया। तेंदुलकर ने यह मुकाम अपने 644वें इनिंग में हासिल किया था, जबकि श्रीलंकाई दिग्गज कुमार संगकारा, जो 28000 रन क्लब में तीसरे खिलाड़ी हैं ने यह उपलब्धि अपने 666वें इनिंग में हासिल की थी। इस 37 साल के बल्लेबाज ने इस मैच से पहले इंटरनेशनल क्रिकेट में सभी फॉर्मेट में 27975 रन के साथ उतरे थे। तेंदुलकर ने 782 इनिंग में 34357 रन बनाए जबकि संगकारा ने 666 इनिंग में 28016 रन बनाए। फरवरी 2023 में कोहली 25000 रन बनाने वाले सबसे तेज बल्लेबाज बने थे। उन्होंने यह मुकाम 549 इनिंग में हासिल किया था जो तेंदुलकर से 28 इनिंग पहले था। अक्टूबर 2023 में कोहली 26000 रन बनाने वाले सबसे तेज खिलाड़ी बने। एक साल बाद सितंबर 2024 में उन्होंने अपने 594वें इनिंग में 27000 रन पूरे किए।

टी20 फॉर्मेट में भारत अलग चुनौती पेश करता है, वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचना तय

-क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ ने टीम इंडिया की घरेलू परिस्थितियों में मजबूती की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और दिग्गज क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ ने टीम इंडिया की घरेलू परिस्थितियों में मजबूती और गहराई की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि भारत जैसी टीम को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता और आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उसका सेमीफाइनल तक पहुंचना तय माना जा सकता है।

स्मिथ ने कहा कि घरेलू मैदानों पर खेला जाने वाला यह विश्व कप भारत को अतिरिक्त बढ़त देगा और टीम ट्रॉफी जीतने की प्रबल दावेदार है। हाल ही में भले ही दक्षिण अफ्रीका ने भारत को उसके घर में टेस्ट सीरीज हराई हो, लेकिन स्मिथ के मुताबिक टी20 फॉर्मेट में भारत अलग चुनौती पेश करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय टी20 टीम में आक्रामकता, गहराई और मैच जिताने की क्षमता है। स्मिथ ने यह कहा कि टेस्ट और टी20 क्रिकेट की परिस्थितियां और मांगें अलग होती हैं, इसलिए टेस्ट सीरीज के नतीजों को टी20 वर्ल्ड कप से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ग्रीम स्मिथ ने भारतीय क्रिकेट में चल रहे बदलाव के दौर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में टीम एक नए फेज से गुजर रही है, जहां सीनियर खिलाड़ियों और नई पीढ़ी के बीच संतुलन बनाने की कोशिश हो रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह ट्रांजिशन कितनी तेजी और मजबूती से आगे बढ़ता है। हालांकि, स्मिथ का मानना है कि भारत की टैलेंट पूल इतनी मजबूत है कि किसी भी स्थिति में टीम प्रतिस्पर्धी बनी रहती है। उन्होंने कहा कि अगर भारत टॉप-4 में नहीं पहुंचता है तो यह उनके लिए हैरानी की बात होगी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत में अब एक महीने से भी कम समय बचा है और स्मिथ पहले से ही एक रोमांचक फाइनल की कल्पना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी ख्वाहिश है कि दक्षिण अफ्रीका फाइनल में भारत को हराकर खिताब जीते। स्मिथ के मुताबिक अगर टीम सही कॉम्बिनेशन के साथ उतरती है और मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज भारतीय परिस्थितियों में स्पिन के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो दक्षिण अफ्रीका को इतिहास रचने का सुनहरा मौका होगा।

मोलेइरो के शानदार प्रदर्शन की बदौलत विलारियल ने ला लिगा में एलवेस को हराया

बार्सिलोना। अल्बर्टो मोलेइरो के शानदार खेल से विलरियाल ने ला लिगा (स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग) मैच में एलवेस को 3-1 से हराकर लीग तालिका में तीसरे स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। कैनरी द्वीप समूह के इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने मध्यांतर के बाद मैच का पहला और मौजूदा सत्र का अपना आठवां गोल दागा। अनुभवी स्ट्राइकर गेराई मोरेनो ने 55वें मिनट में घरेलू टीम की बढ़त दोगुनी कर दी। मोलेइरो ने इसके बाद टीम के तीसरे गोल की नींव रखी, जब उन्होंने दो डिफेंडरों के बीच से सटीक पास निकालकर जॉर्जिया के स्ट्राइकर जॉर्जेस मिकाउताद्ज़े के लिए मौका बनाया। मिकाउताद्ज़े ने गोल कर टीम को 3-0 से आगे कर दिया। एलवेस की ओर से टोनी मार्टिनेज ने 85वें मिनट में गोल कर हार के अंतर कम किया। इस जीत के बाद विलारियाल में तालिका पर शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना से आठ अंक और दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड से चार अंक कम हैं। वहीं, वह चौथे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से तीन अंक आगे है। अन्य मैचों में गिरोना ने शनिवार को ओसासुना को 1-0 से हराया। तालिका में निचले स्थान पर काबिज रियाल ओविएदो ने रियाल बेटिस को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया।

एस 20 मैच में लगी आग के बाद भी चलता रहा मैच

जोहांसबर्ग। यहां खेले जार हे एसए 20 के 19वें मैच के दौरान भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गयी हालांकि राहत की बात ये रही कि किसी की जान नहीं गयी। ये मामला पर्ल रॉयल्स और प्रीटोरिया कैपिटल्स के बीच हुए मैच का है। जा इय मैच के दौरन ही स्टेडियम की पार्किंग में आग लगने से स्टेडियम में बैठे प्रशंसक डर गये। आग पर किसी प्रकार से बचाव दल ने नियंत्रण कर हालात संभाले। आग के बाद भी मैच जारी रहा। इस मैच में प्रीटोरिया कैपिटल्स की टीम ने 21 रनों से जीत हासिल की। प्रीटोरिया कैपिटल्स की टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 138 रन बनाये। सबसे अधिक 42 रन शेरफन रदरफोर्ड ने बनाये। वहीं वहीं शाई होप ने 22 रन बनाये। रॉयल्स की तरफ से हारिस विल्जोन, डेन लॉरेंस और सिकंदर रजा ने दो-दो विकेट लिए जबकि नकोबानी मोकोएना ने एक विकेट लिया। इसके बाद 139 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पर्ल रॉयल्स की टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर केवल 117 रन ही बना पायी। रॉयल्स की ओ से कप्तान डेविड मिलर ने सबसे अधिक 45 रन जबकि रुबिन हार्मेन ने 35 रन बनाए पर ये दोनो टीम को जीत तक नहीं पहुंचा पाये। वहीं गेंदबाजी में कैपिटल्स की ओर से केशव महाराज ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

मेदवेदेव ने मिशेलसेन को हराकर ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के फाइनल में जगह बनायी

ब्रिस्बेन। रुस के टेनिस स्टार दानिल मेदवेदेव ने अमेरिका के एलेक्स मिशेलसेन को 6-4, 6-2 से हराकर ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के फाइनल में पवेश किया है। मेदवेदेव को हालांकि जीत के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। इसी के साथ ही मेदवेदेव ने अपने करियर में 41वें टूर-लेवल फाइनल में जगह बनायी है। मेदवेदेव ने एलेक्स के खिलाफ मुकाबले में हालांकि 27 गलतियां कीं पर उन्होंने दूसरे सेट में सभी चार ब्रेक अंकों को बचा लिया। इसी के साथ ही उन्होंने सबसे ज्यादा फाइनल खेलने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव की बराबरी की। रुसी खिलाड़ी ने इस पर खुशी जतायी कि वह कई अवसरों पर एलेक्स से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहे। साथ ही कहा कि इसी कारण उन्हें जीत मिली। अब उनका मुकाबल फाइनल में अमेरिका के ही ब्रैंडन नाकाशिमा से होगा। इससे पहले नाकाशिमा ने एक अन्य मुकाबले में अलेक्जेंडर कोवासेविच को 7-6(4), 6-4 से हराकर अपने चौथे एटीपी टूर के फाइनल में स्थान बनया। साल 2022 में सैन डिएगो में अपने घर पर पहला खिताब जीतने के बाद यह उनका पहला फाइनल है। इस सप्ताह ब्रिस्बेन में अपने चार मैचों में वह एक भी सेट नहीं हारे है जिससे उनका मुकाबला फाइनल के लिए बढ़ा हुआ है।

न्यूजीलैंड सीरीज़ से बढ़ी हलचल, क्या 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक खेलेंगे विराट और रोहित

नई दिल्ली(एजेंसी)। विराट कोहली और रोहित शर्मा के न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज़ के लिए टीम इंडिया से जुड़ते ही भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर 2027 वनडे वर्ल्ड कप को लेकर चर्चाएं तेज़ हो गई हैं। जिस तरह से दोनों सीनियर बल्लेबाज़ हाल के महीनों में फिटनेस, फॉर्म और मैदान पर भूख के साथ नज़र आए हैं, उससे यह साफ संकेत मिलता है कि उनका भविष्य पूरी तरह उनके अपने फैसले पर निर्भर है। अक्टूबर से दिसंबर के बीच रोहित और विराट ने जिस प्रतिबद्धता के साथ क्रिकेट खेला है, उसने यह दिखा दिया है कि खेल अभी भी उनकी प्राथमिकता बना हुआ है। दोनों खिलाड़ियों ने न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खुद को साबित किया है, बल्कि बीसीसीआई की गाइडलाइंस के मुताबिक घरेलू क्रिकेट में भी हिस्सा लिया है। अगर उनके मन में 2027 वर्ल्ड कप का लक्ष्य न होता, तो ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम के खिलाफ द्विपक्षीय वनडे सीरीज़ खेलने का शायद ही कोई ठोस कारण होता। विराट कोहली और रोहित शर्मा ऐसे मुकाम पर हैं, जहां उन्हें किसी को कुछ साबित करने की ज़रूरत नहीं है। ऐसे में केवल औपचारिक वनडे मुकाबले खेलने का कोई अर्थ नहीं बनता, जब तक कि आगे कोई बड़ा लक्ष्य न हो।

फिलहाल दोनों का फॉर्म और फिटनेस उनकी सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आई है। रोहित शर्मा पहले से कहीं ज्यादा फिट दिख रहे हैं, जबकि विराट कोहली की फिटनेस हमेशा से ही उनकी पहचान रही है। अहम बात यह है कि दोनों रन बना रहे हैं, बड़े स्कोर खड़े कर रहे हैं और मैच पर अपनी पकड़ दिखा रहे हैं। आत्मविश्वास और अनुभव के इस मेल ने उन्हें एक बार फिर भारतीय वनडे टीम का मजबूत स्तंभ बना दिया है। अब सवाल सिर्फ इतना है कि क्या वे 50 ओवर के फॉर्मेट में आगे भी खेलना चाहते हैं और क्या 2027 वर्ल्ड कप को आखिरी बड़ी चुनौती के रूप में देखते हैं। विराट कोहली 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीत चुके हैं, लेकिन रोहित शर्मा के शानदार करियर में यह ट्रॉफी अब तक नहीं जुड़ पाई है। ऐसे में 2027 का वर्ल्ड कप रोहित के लिए एक परफेक्ट फिनाले साबित हो सकता है। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का भी मानना है कि दक्षिण अफ्रीका जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अनुभव और क्लास की जरूरत होगी, जो विराट और रोहित दोनों के पास भरपूर है।

यह भी हकीकत है कि वर्ल्ड कप से ठीक एक साल पहले टीम में बड़े बदलाव करना आसान नहीं होता। इसी वजह से तमाम संकेत यही इशारा कर रहे हैं कि विराट कोहली और रोहित शर्मा 2027 वर्ल्ड कप में भारतीय जर्सी में नजर आ सकते हैं। अगर ऐसा होता है, तो यह टूर्नामेंट भारतीय क्रिकेट के लिए किसी मेगा ब्लॉकबस्टर से कम नहीं होगा। फिलहाल, क्रिकेट प्रेमियों के लिए सबसे बेहतर यही है कि वे न्यूजीलैंड के खिलाफ इन दोनों दिग्गजों की बल्लेबाज़ी का भरपूर आनंद लें।

सोशल मीडिया को सिर्फ फिल्मों के प्रमोशन का जरिया नहीं मानतीं अदा शर्मा

अभिनेत्री अदा शर्मा सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं और अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट कर प्रशंसकों के साथ जुड़ी रहती हैं। खास बात है कि वह इस प्लेटफॉर्म को केवल अपनी फिल्मों के प्रमोशन का जरिया नहीं मानतीं। उनके लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां वह लोगों को प्रेरित कर सकती हैं, जागरूकता फैला सकती हैं और दूसरों की जिंदगी में खुशी ला सकती हैं। खास बातचीत में अदा ने सोशल मीडिया पर अपनी राय साझा की। अदा से जब पूछा गया कि आज के समय में वह सोशल मीडिया को कितना महत्व देती हैं तो उन्होंने बताया, मेरे लिए सोशल मीडिया का मतलब सिर्फ फिल्मों या प्रोजेक्ट्स का प्रमोशन नहीं है। यह एक एक ऐसी जगह है, जहां कई सकारात्मक काम किए जा सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, मैं हाथियों के कल्याण के लिए रिहैबिलिटेशन सेंटर्स के साथ मिलकर काम करती हूं। अदा ने सोशल मीडिया के महत्व पर एक उदाहरण देते हुए बताया, हाथी बाहर से बहुत बड़े और मजबूत लगते हैं, लेकिन जब इंसान उन्हें कैद में रखते हैं, जैसे सर्कस में, तो उनकी हालत बहुत बुरी हो जाती है। सर्कस में हाथियों की पीठ पर भारी वजन रखा जाता है, जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी टूट जाती है। उन्हें पीटा जाता है और वे दर्द में भी चुप रहते हैं क्योंकि बोल नहीं सकते। मैंने कई वीडियो पोस्ट किए, जिसे देखकर कई लोगों ने बताया कि उन्हें पहले नहीं पता था कि हाथी की सवारी करना गलत है। सर्कस में हाथियों की स्थिति देखकर दिल टूट जाता है। इतने बड़े जानवर को इंसान घुटनों के बल ला देते हैं। मैं सोशल मीडिया के जरिए ऐसी चीजों को उजागर करती हूं। उन्होंने बताया, इसके अलावा, मैं स्ट्रीट डॉग्स के एडॉप्शन को बढ़ावा देने और प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करने की भी अपील सोशल मीडिया के जरिए करती हूं। इसके परिणाम काफी सकारात्मक रहे हैं। मैं शाकाहारी हूं और अपने नाश्ते या खाने की तस्वीरें डालती हूं, सच बताऊं तो इससे कई लोग प्रेरित होकर शाकाहारी बन चुके हैं। शाकाहारी भोजन में भी भरपूर प्रोटीन होता है। इससे मांसपेशियां, ताकत, स्टैमिना, सुंदरता, अच्छी त्वचा और बाल सब कुछ मिल सकता है। लोग गलत समझते हैं कि मजबूत बनने के लिए केवल मांसाहार जरूरी है। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री के 10 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इसलिए अदा मानती हैं कि उन्हें भी कुछ वापस देना चाहिए। सोशल मीडिया के जरिए वह यही करती हैं। अदा ने बताया, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई तनाव में है। अगर एक वीडियो या पोस्ट से किसी के चेहरे पर मुस्कान आ जाए या किसी का दिन अच्छा बन जाए, तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

मां बनने के 5 महीने बाद काम पर लौटीं कियारा आडवाणी
कई एक्ट्रेसेस बनीं मिसाल

मां बनना अपने आप में एक खूबसूरत अहसास है। बॉलीवुड एक्ट्रेसेस भी इस प्यारे अहसास से गुजरती हैं। मां बनने के बाद उनकी जिंदगी खुशियों से भर जाती हैं। लेकिन इस खुशी के बीच वह अपना पैशन, प्रोफेशन दरकिनार नहीं करती हैं। कई एक्ट्रेसेस हैं, जिन्हें अपने काम से इतना प्यार रहा कि वह बच्चे के जन्म के कुछ वक्त बाद ही करियर फ्रंट पर सक्रिय हो गईं।

कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी साल 2025 के जुलाई महीने में एक प्यारी सी बेटी की मां बनी हैं। लगभग पांच महीने के आराम के बाद वह काम पर फोकस कर रही हैं। पिछले दिनों उन्हें पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ एक शूट पर देखा गया। वहीं साउथ एक्टर यश की फिल्म 'टॉक्सिक' से कियारा आडवाणी का लुक भी वायरल हुआ। यह फिल्म जल्द रिलीज होगी, इसमें कियारा ने एक अहम किरदार निभाया है।

शिल्पा शेट्टी

शिल्पा शेट्टी भी साल 2012 में एक बेटे की मां बनीं। सबसे पहले तो शिल्पा शेट्टी ने अपनी फिटनेस पर काम किया। साथ ही बेटे के जन्म के कुछ महीने बाद ही वह वर्क फ्रंट पर एक्टिव हो गईं। शिल्पा को डांस रियलिटी शो जज करते हुए देखा गया। शिल्पा ने बाकी महिलाओं को इंस्पायर किया कि वह प्रेग्नेंसी के बाद फिट रह सकती हैं और अपना काम भी अच्छे से कर सकती हैं।

करीना कपूर

करीना कपूर को एक्टिंग से बहुत प्यार रहा है, वह ज्यादा देर तक अपने प्रोफेशन से दूर नहीं रह पाईं। करीना साल 2016 में पहली बार मां बनीं, तैमूर के जन्म के कुछ महीनों बाद ही वह एक्टिव हो गईं। यहां तक की दूसरे बेटे जेह के जन्म के 18 दिन बाद वह काम पर लौट आईं, एड फिल्मों की शूटिंग करने लगी थीं। जेह का जन्म साल 2021 में फरवरी महीने में हुआ था।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट भी करीना कपूर के नक्शे-कदम पर चलीं। एक्ट्रेस ने साल 2022 में बेटी राहा को जन्म दिया। लेकिन प्रेग्नेंसी के बाद लंबा ब्रेक नहीं लिया। आलिया ने अपने पुराने कमिटमेंट मां बनने के बाद जल्द ही पूरे किए। उन्होंने फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के लिए एक गाना रणवीर सिंह के साथ शूट किया।

काजल अग्रवाल

साल 2022 के मई महीने में साउथ और हिंदी फिल्मों की चर्चित एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने भी एक बेटे को जन्म दिया। काजल ने भी प्रेग्नेंसी के दो महीने बाद ही अपनी एक फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी थी। वह तो अपने बच्चे को फिल्म सेट पर भी लाती थीं, जिससे उसकी अच्छे से देखभाल कर सकें।

पर्दे पर फिर लौट रही सैयामी खेर और गुलशन देवैया की जोड़ी

बॉलीवुड में कुछ कलाकारों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को इतनी पसंद आती है कि वे पर्दे पर उस जोड़ी को फिर से देखने के लिए उत्साहित रहते हैं। सैयामी खेर और गुलशन देवैया की जोड़ी कुछ ऐसी ही है। दोनों ने पहले अनपॉज्ड और 8 ए.एम. मेट्रो जैसी फिल्मों में साथ काम किया, जिसमें उनके बीच की कमेस्ट्री दर्शकों को बहुत पसंद आई। अब यह जोड़ी फिर से एक साथ एक नए प्रोजेक्ट में नजर आने वाली है। एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया कि सैयामी और गुलशन ने हाल ही में इस नए प्रोजेक्ट की शूटिंग पूरी कर ली है। उनकी जोड़ी को दोबारा स्क्रीन पर देखना दर्शकों के लिए हमेशा सुखद अनुभव रहा है। हालांकि, अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि यह नया प्रोजेक्ट फिल्म है या वेब सीरीज, लेकिन इस जोड़ी को देखने के लिए फैंस काफी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सूत्र ने बताया कि इस नए प्रोजेक्ट की सभी जानकारी सीक्रेट रखी गई है, जिनका जल्द ही खुलासा हो सकता है। सैयामी खेर इन दिनों अक्षय कुमार और सैफ अली खान के साथ फिल्म हैवान में नजर आने वाली है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में शरीब हाशमी भी अहम किरदार में हैं। फिल्म की शूटिंग कोच्चि, ऊटी और मुंबई जैसे शहरों में हुई। वहीं गुलशन देवैया भी हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज परफेक्ट फैमिली की सफलता का आनंद ले रहे हैं। इस सीरीज में उन्होंने विष्णु नाम के एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाया है, जो एक परफेक्ट दिखने वाले परिवार का हिस्सा है। ये परिवार बाहर से खुश है, लेकिन अंदर से टूटा हुआ है। इस सीरीज का निर्देशन सचिन पाठक ने किया। इसमें गुलशन देवैया के अलावा, मनोज पाहवा, सीमा पाहवा, गिरिजा ओक और नेहा धूपिया भी हैं। यह सीरीज 27 नवंबर को यूट्यूब चैनल जार सीरीज पर रिलीज हुई।

चित्रांगदा सिंह ने साझा किया द बैटल ऑफ गलवान का खास अनुभव

फिल्मों की दुनिया में कई बार कुछ मौके अचानक ही मिल जाते हैं, जिनकी उम्मीद नहीं होती। ऐसे ही एक खास मौके ने अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह को नया अनुभव दिया। इन दिनों चित्रांगदा सलमान खान की द बैटल ऑफ गलवान को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। इंटरव्यू में अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वह सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। आईएएनएस से बात करते हुए चित्रांगदा ने अपने अनुभव के बारे में कहा, जब निर्देशक अपूर्व लाखिया ने मुझे इस फिल्म के लिए कॉल किया, तो मेरा पहला रिएक्शन यही था, सच में? मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी कि मुझे सलमान खान के साथ काम करने का मौका मिलेगा। मैंने न तो कभी सलमान से काम के लिए बात की और न ही कभी इसकी कोशिश की। यह मौका मेरे लिए पूरी तरह से आश्चर्यजनक और रोमांचक रहा। फिल्म द बैटल ऑफ गलवान की कहानी 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प पर आधारित है। 15 जून को नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें दोनों पक्षों को जानमाल का नुकसान हुआ। सीमा के पास फायरआर्म्स का इस्तेमाल न करने के समझौते के कारण, सैनिकों ने लाठियों और पत्थरों का इस्तेमाल करते हुए लड़ाई लड़ी थी। चित्रांगदा ने कहा, मैं सेना की दुनिया को अच्छी तरह समझती हूं, और एक आर्मी मैन की बेटी होने के नाते, यह फिल्म मेरे लिए और भी व्यक्तिगत रूप से महत्वपूर्ण है। यह फिल्म सिर्फ एक मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील कहानी को लोगों तक पहुंचाने का अवसर भी है। उन्होंने कहा, द बैटल ऑफ गलवान एक महत्वपूर्ण फिल्म है। सेना और देशभक्ति के अनुभव से जुड़ी इस कहानी में काम करना गर्व का पल है। मेरा मानना है कि फिल्म दर्शकों को वास्तविक घटनाओं और सैनिकों के संघर्ष के करीब लाएगी और उन्हें देशभक्ति की भावना से जोड़ने में मदद करेगी। फिल्म में सलमान खान और चित्रागंदा सिंह की जोड़ी नजर आएगी। इसमें सलमान कर्नल बी. संतोष बाबू की भूमिका में नजर आएंगे, जिन्होंने असाधारण साहस के साथ 16 बिहार रेजिमेंट का नेतृत्व किया और मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित हुए थे।बैटल ऑफ गलवान 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्रभास-तृप्ति के अलावा इन फिल्मों में पहली बार साथ नजर आएंगे बॉलीवुड-साउथ के सितारे

बॉलीवुड और साउथ के बीच की दीवारें टूट रही हैं। इस साल दर्शकों को नई जोड़ियां, बड़े स्केल की कहानियां और धमाकेदार एंटरटेनमेंट मिलेगा। 2026 सिनेमा के लिए बहुत एक्साइटिंग साल होने वाला है!

स्पिरिट

फिल्म स्पिरिट में साउथ के मेगा सुपरस्टार प्रभास मुख्य भूमिका में हैं, जो एक ब्रूटल लेकिन ईमानदार पुलिस वाले का किरदार निभा रहे हैं। उनके साथ बॉलीवुड की एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी लीड हीरोइन हैं। यह तृप्ति की तेलुगु सिनेमा में डेब्यू फिल्म है। फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा (जिन्होंने एनिमल बनाई थी) कर रहे हैं। यह एक एक्शन थ्रिलर है। हाल ही में फिल्म स्पिरिट का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज हुआ है, जिसमें प्रभास और तृप्ति का इंटीमेट सीन दिखाया गया है।

रामायण

नितेश तिवारी की रामायण हिंदू महाकाव्य पर

आधारित है। इसमें बॉलीवुड के सुपरस्टार रणबीर कपूर भगवान राम का किरदार निभा रहे हैं। उनके साथ साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस साई पल्लवी सीता की भूमिका में हैं। फिल्म में साउथ के बड़े स्टार यश (केजीएफ फेम) रावण का रोल कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। यह फिल्म दो पार्ट्स में रिलीज होगी। पहला पार्ट दिवाली 2026 में और दूसरा पार्ट दिवाली 2027 में रिलीज किया जाएगा। फिल्म में सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे।

कार्तिक आर्यन और श्रीलीला

एक्टर कार्तिक आर्यन और साउथ अभिनेत्री श्रीलीला एक फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। एक्ट्रेस श्रीलीला (जो कन्नड़ और तेलुगु फिल्मों में बहुत पॉपुलर हैं) पहली बार हिंदी फिल्म में डेब्यू कर रही हैं। यह एक म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा है, जिसका निर्देशन अनुराग बसु कर रहे हैं। पहले फिल्म का नाम आशिकी 3 होने की अफवाहें थीं, तो कही फिल्म का नाम तु मेरी जिंदगी है बताया जा रहा है। हालांकि, निर्माताओं की ओर से कार्तिक और श्रीलीला की इस फिल्म के नाम की घोषणा नहीं हुई है।

पेड्डी

फिल्म पेड्डी में साउथ के ग्लोबल स्टार राम चरण (आरआरआर फेम) लीड रोल में हैं। उनके साथ बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर हीरोइन हैं। जाह्नवी का यह तेलुगु सिनेमा में दूसरा प्रोजेक्ट है। इस फिल्म से पहले जान्हवी देवरा में नजर आ चुकी हैं। पेड्डी में जान्हवी का किरदार अचियम्मा नाम का है। इस फिल्म का निर्देशन बुची बाबू साना कर रहे हैं। यह 27 मार्च 2026 को दुनिया भर में रिलीज होगी।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के 56 इलाकों में बॉक्स पार्किंग शुरू

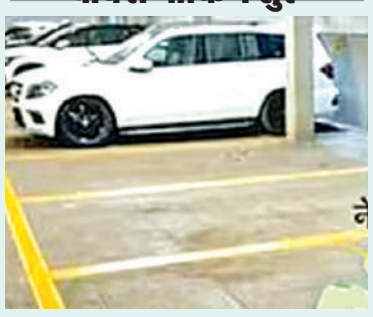

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की सड़कों को अतिक्रमण और बेतरतीब पार्किंग से मुक्त करने के लिए उपराज्यपाल वीके सक्सेना की पहल पर एक बड़ा अभियान शुरू किया गया है। दिल्ली पुलिस ने शहर के बेहद व्यस्त और भीड़भाड़ वाले 56 प्रमुख स्थानों पर 'बॉक्स पार्किंग' (चिह्नित पार्किंग क्षेत्र) की व्यवस्था लागू कर दी है। इस कदम से न केवल यातायात सुचारू होगा, बल्कि लगभग 3,000 वाहनों को व्यवस्थित ढंग से खड़ा करने की जगह मिलेगी।सड़कों का वर्गीकरण और जिम्मेदारी - जानकारी के अनुसार 56 चिन्हित स्थानों में से 50 जगहों पर दिल्ली पुलिस ने अपने संसाधनों का उपयोग करके बॉक्स (पेंट से मार्क करना) बनाने का काम किया है। इन चिह्नित सड़कों में से 46 पीडब्ल्यूडी, 4 डीडीए, 3 एमसीडी एवं 3 अन्य विभागों के अंतर्गत आती हैं। क्षेत्रवार वितरण की बात करें तो पूर्वी जिले में सर्वाधिक 14, उत्तरी में 11, दक्षिणी में 10, मध्य में 9, और पश्चिमी व नई दिल्ली जिले में 6-6 स्थानों पर यह व्यवस्था शुरू की गई है। उपराज्यपाल के निर्देश पर उठाए गए इस कदम का उद्देश्य केवल गाड़ियां खड़ी करना नहीं है। व्यवस्थित पार्किंग से सड़कों पर जगह का अधिकतम उपयोग होगा और आपातकालीन वाहनों (एम्बुलेंस व फायर ब्रिगेड) को निकलने के लिए निर्बाध रास्ता मिलेगा। पुलिस का मानना है कि इससे सड़क सुरक्षा बढ़ेगी, ड्राइवरों को स्पष्ट मार्गदर्शन मिलेगा और वाहन रेंगने के बजाय अपनी गति से चलेंगे, जिससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और शहर की सुंदरता भी बढ़ेगी।

फैसला सुरक्षित रखने वाले जज ही निर्णय सुनाएं, भले ही तबादला हो गया हो

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। उच्च न्यायालय ने कहा कि एक बार जब किसी आपराधिक मामले की सुनवाई में अंतिम बहस पूरी हो जाती है। मामला फैसले के लिए सुरक्षित रख लिया जाता है तो जिस न्यायाधीश ने मुकदमा सुना है, उसे फैसला सुनाना ही होगा, भले ही उसका स्थानान्तरण हो गया हो। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने फैसले में रजिस्ट्रार जनरल के 18 जनवरी 2025 और 26 नवंबर 2025 के आदेशों का हवाला दिया। इन आदेशों में स्पष्ट किया गया है कि स्थानान्तरित किए गए न्यायिक अधिकारियों को उन मामलों की जानकारी देनी होगी, जिनमें उन्होंने कार्यमुक्त होने से पहले फैसला या आदेश सुरक्षित रखा है। साथ ही यह भी निर्देश है कि ऐसे अधिकारी स्थानान्तरण की तारीख से दो से तीन सप्ताह के भीतर उन मामलों में फैसला सुनाएंगे, भले ही उनकी तैनाती किसी अन्य अदालत में हो गई हो। पीठ ने साफ कहा कि नए न्यायिक अधिकारी को अंतिम बहस दोबारा कराने का अधिकार नहीं है। अंतिम बहस सुन चुके न्यायाधीश को ही निर्णय देना होगा, क्योंकि दोबारा बहस कराना अनावश्यक है। इससे न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता व समयबद्धता प्रभावित होती है। मकोका के एक आरोपी की याचिका पर आया आदेश यह आदेश महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत दर्ज मामले में आरोपी द्वारा दायर याचिका पर आया। याचिकाकर्ता ने बताया कि उसके मामले में अंतिम बहस पूरी हो चुकी थी और 4 जुलाई 2025 को फैसला सुरक्षित रखा गया था। 7 नवंबर 2025 को फैसला टाला गया क्योंकि आरोपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए थे। अदालत ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया।

9-14 साल तक की लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने को लगेंगे एचपीवी के टीके

दिल्ली सरकार की पहल

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए लड़कियों को एचपीवी (ह्यूमन पेपिलोमा वायरस) का टीका देने की तैयारी शुरू हो गई है। इसी क्रम में केंद्र ने दिल्ली सरकार के परिवार कल्याण निदेशालय को टीके की कुछ डोज भी उपलब्ध करा दी है। ऐसे में जल्द टीकाकरण शुरू होने की उम्मीद है।

टीकाकरण को लेकर स्वास्थ्य विभाग के 16 अधिकारियों को पहले ही प्रशिक्षण दिया जा चुका है। अगले 10-12 दिनों में नियमित टीकाकरण अभियान से जुड़े स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि टीकाकरण अभियान शुरू हो सके।

डॉक्टर बताते हैं कि देश में हर वर्ष करीब सवा लाख महिलाएं सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित होती हैं। इस वजह से करीब 77 हजार महिलाओं की मौत हो जाती है। स्क्रीनिंग से इस बीमारी का शुरुआती स्टेज में पता लगाकर बेहतर इलाज संभव है, लेकिन जागरूकता के अभाव में इस बीमारी से पीड़ित ज्यादातर महिलाएं एडवांस स्टेज में इलाज के लिए पहुंचती हैं। सर्वाइकल कैंसर का सबसे बड़ा कारण एचपीवी का संक्रमण है। इसका टीका उपलब्ध है। ऐसे में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए टीकाकरण को बेहतर विकल्प माना जा रहा है।

गावी ने उपलब्ध कराई है एक करोड़ डोज - ग्लोबल एलायंस फॉर वैक्सीनेशन एंड इम्युनाइजेशन (गावी) ने विदेश में विकसित गार्डासिल टीके की एक करोड़ डोज भारत को उपलब्ध कराई हैं। अध्ययन में पाया गया है कि इस टीके की एक डोज ही सर्वाइकल कैंसर से बचाव में काफी हद तक कारगर है। मौजूदा अभियान के तहत 14 वर्ष तक की लड़कियों को इस टीके की एक डोज दी जाएगी। डब्ल्यूएचओ ने सर्वाइकल कैंसर को वर्ष 2030 तक खत्म करने का लक्ष्य रखा है। दिल्ली में 14 वर्ष की करीब 1.60 लाख लड़कियां हैं। इन्हें गार्डासिल टीके की एक डोज दी जाएगी। दिल्ली को इस टीके की कुछ डोज मिल गई हैं। 75 हजार डोज अगले दो-तीन दिनों में उपलब्ध हो जाएंगी। डिस्पेंसरियों और अस्पतालों में 9-14 वर्ष तक की लड़कियों को यह टीका दिया जाएगा।

प्रदूषण नियंत्रण पर भी रेखा ने दी जानकारी

दिल्लीवालों को मिलेंगी 7,500 इलेक्ट्रिक बसें

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने पिछले 11 महीनों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए क्या-क्या काम किए हैं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को विधानसभा में इसकी जानकारी दी। रेखा गुप्ता ने दिल्ली में प्रदूषण पर चर्चा के दौरान बताया कि सरकार ने काफी ठोस कदम उठाए हैं। डस्ट-फ्री सड़कों के लिए वाटर स्प्रिंकलर, एंटी-स्मॉग गन्स और नई मशीनरी का इस्तेमाल किया जा रहा है। दिल्ली नगर निगम को 2300 करोड़ रुपये की मदद दी गई है जिससे धूल और कूड़ा नियंत्रण पर फोकस हो रहा है। नियंत्रण के लिए सरकार पीयूसी सर्टिफिकेट को लेकर सख्त है इसके लिए नो पीयूसी, नो फ्यूल की व्यवस्था लागू है। इसी दिशा में बुराड़ी फिटनेस सेंटर का अपग्रेडेशन और नंदनगरी और टेकखंड में ऑटोमेटेड व्हीकल टेस्टिंग स्टेशनों का शिलान्यास किया गया है। सीएम ने बताया कि इलेक्ट्रिक देवी बसों की शुरुआत के साथ-साथ ई-ऑटो और ई-टैक्सी को बढ़ावा दिया जा रहा है। हम साल भर प्रदूषण नियंत्रण के लिए काम कर रहे हैं और प्रदूषण नियंत्रण को व्यापक, सतत और व्यवस्था-आधारित दृष्टिकोण से आगे बढ़ा रहे हैं। रेखा गुप्ता ने सदन में कहा कि 'प्रदूषण कोई दो-तीन महीनों की समस्या नहीं है कि केवल सर्दियों तक सीमित मान ली जाए। प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमें 12 महीने निरंतर काम करना होगा। 12 के 12 महीने सड़कों पर एजेंसियों को लगातार सक्रिय रखना होगा तभी प्रदूषण में कमी आएगी और पर्यावरण वास्तव में बेहतर हो पाएगा। पर्यावरण हर नागरिक और परिवार की साझा जिम्मेदारी है।' वहीं पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि 2014 से 2025 तक दिल्ली को वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने लगातार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी माना लेकिन जब से रेखा गुप्ता सरकार आई है तब से 'एक्शन मोड' अपनाया गया है।

साकेत कोर्ट के अहलमद ने सुसाइड नोट में लिखा

खुदकुशी के ख्याल आते हैं, नींद नहीं आती

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के साकेत कोर्ट में काम करने वाले एक अहलमद (क्लर्क) ने शुक्रवार को कोर्ट परिसर में ही पांचवी मंजिल से कूदकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मृतक हरीश सिंह महार के शव के पास से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें उन्होंने आत्महत्या के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। उन्होंने काम के दबाव की वजह से जान देने की बात लिखी है। हरीश ने लिखा है कि जब से वह अहलमद बने हैं खुदकुशी के ख्याल आते हैं और नींद नहीं आती। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित हरीश परिवार के साथ फरीदाबाद में रहते थे। परिवार मूलत- उत्तराखंड का रहने वाला था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार की सुबह करीब 10 बजे कोर्ट परिसर में एक युवक के पांचवीं मंजिल से कूदने की सूचना मिली।

दिल्ली-देहरादून हाईवे पार्किंग के नियम और फीस में बदलाव

बस और ट्रक भी खड़े किए जा सकेंगे, जिसके लिए मासिक पास जारी होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-देहरादून नेशनल हाईवे पर प्रस्तावित पार्किंग व्यवस्था में अब नए संशोधन लागू किए गए हैं, ताकि जनता को अधिक सुविधा मिल सके और एजेंसियों को संचालन के लिए आकर्षित किया जा सके। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने बताया कि अब पार्किंग में बस और ट्रक भी खड़े किए जा सकेंगे, जिसके लिए मासिक पास जारी होंगे।

टेंपो और ऑटो के लिए भी पहले के घंटेवार शुल्क के बजाय मासिक पास सुविधा दी गई है। निजी कार और दोपहिया वाहनों के लिए मासिक डे, नाइट और डे-पास की व्यवस्था की गई है।

अधिकारियों के अनुसार यह कदम गांधी नगर मार्केट में ट्रकों के सड़क पर खड़े होने से यातायात प्रभावित होने की समस्या को भी कम करेगा। एनएचएआई की सहयोगी कंपनी, नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड ने हाईवे के एलिवेटेड हिस्से, फुटओवर ब्रिज के नीचे और किनारे, पूर्वी जिलाधिकारी कार्यालय, गीता कालोनी व गांधी नगर मार्केट के पास एक हजार वाहनों की पार्किंग के लिए एजेंसियों से आवेदन मांगे हैं। पिछले वर्ष

आवेदन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी थी क्योंकि शुल्क और शर्तों में कठिनाई थी। इस बार संशोधन के जरिये एजेंसियों को आकर्षित करने और पार्किंग संचालन में सुगमता लाने की योजना बनाई गई है।

एयर शो के लिए आसमान को यूं खाली कराएगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में गणतंत्र दिवस पर होने वाले मुख्य समारोह के दौरान होने वाले एयर शो के दौरान आसमान को चीलों, बाज, गिद्ध व अन्य पक्षियों से मुक्त रखने के लिए दिल्ली वन विभाग ने खास तैयारी की है। इस दौरान विभाग ने उन्हें बिना हड्डी वाला मांस परोसने की योजना बनाई है। दरअसल हवाई शो के दौरान जेट व अन्य लड़ाकू विमान उड़ान भरते हैं, इस दौरान इन पक्षियों, विशेष तौर पर काली चील के आने से करतब दिखाने में परेशानी हो सकती है, साथ ही खतरा भी पैदा हो सकता है। मैनेज करने और उन्हें विमानों के रास्ते से दूर रखने के लिए वन विभाग द्वारा 1275 किलोग्राम बिना हड्डी वाले चिकन का इस्तेमाल करते हुए उसे आसमान से गिराया जाएगा। इस बारे में जानकारी देते हुए एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मांस फेंकने की यह कवायद हर साल एयर शो से पहले भारतीय वायु सेना के साथ मिलकर की जाती है, जिसका मकसद पक्षियों को विमानों से टकराने से रोकना होता है।

नूर अहमद नूर को तालिबान ने भारत में सौंपी अफगान दूतावास की कमान

ढाका, एजेंसी। अफगान विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी अक्टूबर में भारत के सात दिवसीय दौरे पर आए थे। मुत्ताकी के भारत आने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंध पहले से बेहतर हुए हैं। मुत्ताकी के साथ नूर अहमद नूर भी भारत आए थे।

जिन्हें अब नई दिल्ली में अफगान दूतावास का चार्ज डीअफेयर्स नियुक्त किया गया है। ऐसे में अब सवाल यह है कि नूर अहमद नूर कौन है, जिसे तालिबानी शासन ने भारत की कमा सौंपी है? दरअसल, नूर अहमद नूर फगानिस्तान के विदेश मंत्रालय में फर्स्ट पॉलिटिकल डिवीजन के पूर्व महानिदेशक रह चुके हैं। वह तालिबानी शासन के वरिष्ठ सदस्य हैं और दक्षिण एशिया मामलों को संभालते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नूर अहमद नूर दूतावास की जिम्मेदारी संभालने के लिए दिल्ली पहुंच चुके हैं। दोनों देशों के बीच बेहतर हुए रिश्ते गौरतलब है कि अफगान विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी अक्टूबर में सात दिवसीय भारतीय दौरे पर आए थे। इस दौरान दोनों देशों के बीच रिश्ते बेहतर हुए। इसी समय भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अफगान विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी के बीच एक समझौता हुआ, जिसके तहत नई दिल्ली स्थित अफगान दूतावास के लिए इस्लामिक अमीरात द्वारा नियुक्त राजनयिकों को स्वीकार करने की बात पर सहमति बनी।

अफगानिस्तान पर तालिबान के नियंत्रण के लगभग पांच साल बाद नूर अहमद नूर को नई दिल्ली स्थित अफगान दूतावास का चार्ज डी फेयर्स नियुक्त किया गया। सबसे खास बात यह है कि नूर अहमद नूर उस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे, जो मुत्ताकी के साथ भारत आया था। हालांकि, भारत ने तालिबान शासन को औपचारिक मान्यता नहीं दी है। ज्ञात हो कि मुंबई और हैदराबाद स्थित अफगान वाणिज्य दूतावास भी तालिबान द्वारा नियुक्त राजनयिकों के जरिए संचालित हो रहा है। वहीं, नई दिल्ली स्थित दूतावास में पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी की सरकार द्वारा नियुक्त सईद मोहम्मद इब्राहिम खिल अभी तक सीडीए का पद संभाल रहे हैं।

दिसंबर में किया था बांग्लादेश का दौरा: नूर अहमद नूर ने पिछले साल दिसंबर 2025 में बांग्लादेश का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने वहां कई इस्लामी नेताओं से मुलाकात की। बांग्लादेश चुनाव से पहले इनकी इस यात्रा को बांग्लादेशी मीडिया ने बेहद खास बताया।

अब ट्रंप के निशाने पर मेक्सिको, बोले-ड्रग तस्करी नेटवर्क तबाह करने के लिए जमीनी हमले करेंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। वेनेजुएला पर कार्रवाई के बाद डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर अब मेक्सिको है। ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन जल्द ही क्षेत्र में ड्रग तस्करी नेटवर्क को खत्म करने के लिए जमीनी हमले की कार्रवाई शुरू करेगा। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'मेक्सिको पर ड्रग कार्टेल का राज है। यह देखना बहुत ही दुखद है। यह अमेरिका में हर साल 2.5 लाख से 3 लाख लोगों की मौत का कारण बन रहे हैं।'

पानी के बाद अब ड्रग तस्करी के खिलाफ जमीनी हमले करेंगे ड्रग तस्करी को 97 फीसदी तक खत्म कर दिया है और अब हम कार्टेल के सफाए के लिए जमीनी कार्रवाई शुरू करने जा रहे हैं।' हालांकि उन्होंने योजनाओं के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। इस हफ्ते की शुरुआत में ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने ड्रग कार्टेल से निपटने के लिए मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबॉम के साथ अमेरिकी सैन्य मदद की संभावना पर बात की और चेतावनी दी कि मेक्सिको को अपनी स्थिति सुधारनी होगी। पिछले साल भी ट्रंप ने कहा था कि वह ड्रग तस्करी से निपटने के लिए मेक्सिको में अमेरिकी सेना और खुफिया अधिकारियों को भेजने की तैयारी कर रहे हैं। अमेरिका किसी भी क्षेत्र का मालिक नहीं द हिल की रिपोर्ट के अनुसार, मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबॉम ने ट्रंप के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। वेनेजुएला के राष्ट्रपति को पकड़ने के बाद उन्होंने कहा था कि मेक्सिको दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप को पूरी तरह खारिज करता है। अमेरिका किसी भी क्षेत्र का मालिक नहीं है। लैटिन अमेरिका का इतिहास साफ और जबरदस्त है, दखलअंदाजी से न कभी लोकतंत्र आया, न कभी खुशहाली आई और न ही स्थायी स्थिरता मिली। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने वेनेजुएला पर हमलों का दूसरा चरण रद्द कर दिया है। हालांकि सुरक्षा और संरक्षा के उद्देश्य से सभी जहाज अपनी जगह पर तैनात रहेंगे। वेनेजुएला शांति के संकेत के तौर पर बड़ी संख्या में राजनीतिक कैदियों को रिहा कर रहा है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण और समझदारी भरा कदम है।

तारिक रहमान बने बीएनपी के नए अध्यक्ष

खालिदा जिया के निधन के बाद पार्टी ने लिया फैसला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की प्रमुख विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी में नेतृत्व परिवर्तन हुआ है। पार्टी की राष्ट्रीय स्थायी समिति ने सर्वसम्मति से तारिक रहमान को पार्टी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह फैसला पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी अध्यक्ष रहीं खालिदा जिया के लंबे इलाज के बाद निधन के कुछ ही दिनों बाद लिया गया है। बीएनपी अध्यक्ष का पद खालिदा जिया के निधन के बाद रिक्त हो गया था। वह बांग्लादेश की तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकी थीं और पार्टी की सबसे प्रभावशाली नेता मानी जाती थीं।

पार्टी संविधान के तहत इस पद को भरने के लिए राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक बुलाई गई, जिसमें तारिक रहमान के नाम पर मुहर लगी। तारिक रहमान 25 दिसंबर को 17 वर्षों के स्वैच्छिक निर्वासन के बाद लंदन से बांग्लादेश लौटे थे। उनके स्वदेश लौटने को बीएनपी के लिए एक अहम राजनीतिक संकेत माना गया। पार्टी नेताओं का कहना है कि उनकी वापसी से संगठन को नई ऊर्जा मिली है और कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ा है। 60 वर्षीय तारिक रहमान का पार्टी संगठन में लंबा अनुभव रहा है। वर्ष 2002 में उन्हें बीएनपी का वरिष्ठ संयुक्त महासचिव बनाया गया था। इसके बाद 2009 में वह पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने। पार्टी के भीतर उन्हें रणनीतिकार और संगठन को मजबूती देने वाला नेता माना जाता है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, तारिक रहमान आगामी आम चुनावों में प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं। बीएनपी को फरवरी में होने वाले चुनावों में सत्ता में लौटने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। खासकर तब जब पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग को चुनाव लड़ने से बाहर कर दिया गया है।

नेतन्याहू को करो किडनैप: पाक के रक्षा मंत्री के बयान पर बवाल, ट्रंप को सजा देने का भी इशारा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक टीवी इंटरव्यू के दौरान इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू के खिलाफ विवादित टिप्पणी कर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में खलबली मचा दी है। आसिफ ने अमेरिका और तुर्की से अपील की कि वे नेतनयाहू को किडनैप (अपहरण) कर लें और गाजा में इजरायली सैन्य कार्रवाई के लिए उन पर मुकदमा चलाएं।

जियो न्यूज पर पाकिस्तानी पत्रकार हामिद मीर के साथ बातचीत करते हुए ख्वाजा आसिफ ने नेतनयाहू को मानवता का सबसे बुरा अपराधी करार दिया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट का भी हवाला दिया। आसिफ ने कहा, 'नेतनयाहू

सबसे वांटेड अपराधी हैं। अमेरिका को उनका अपहरण कर लेना चाहिए और उन पर मुकदमा चलाना चाहिए। यदि अमेरिका वास्तव में मानवता का मित्र है, तो वह ऐसा ही करेगा। अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी का उदाहरण देते हुए कहा कि अमेरिका को नेतनयाहू के खिलाफ भी वैसी ही कार्रवाई करनी चाहिए। जब हामिद मीर ने तुर्की द्वारा उन्हें हिरासत में लेने की संभावना पूछी तो आसिफ ने कहा, 'तुर्की भी उन्हें अगवा कर सकता है और हम पाकिस्तानी इसके लिए दुआ कर रहे हैं।' इंटरव्यू में तनाव तब बढ़ गया जब ख्वाजा आसिफ ने उन देशों को सजा देने की बात छेड़ी जो नेतनयाहू का समर्थन कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके शब्दों का इशारा स्पष्ट रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर था। आसिफ ने जैसे ही कहा, 'जो लोग उनका (नेतनयाहू का) समर्थन कर रहे हैं, कानून उनके बारे में क्या कहता है।' हामिद मीर ने उन्हें बीच में ही टोक दिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com